आज का विचार

सोच का प्रभाव मन पर होता है मन का प्रभाव तन पर होता है तन और मन दोनों का प्रभाव सारे जीवन पर होता है इसलिए सदा अच्छा सोचें और खुश रहें।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-358 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर बुधवार 25 जून, 2025

बंगाली समाज को क्रिमिनल कहने पर बवाल

जो रूट ने रचा इतिहास, राहुल द्रविड़ की बराबरी कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती-किसानी का सिलसिला शुरू

◆ मुख्यमंत्री साय के निर्देश, किसानों को उनकी मांग के अनुरूप सुगमता से मिले खाद-बीज ◆ किसानों को 6.58 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित ◆ राज्य में 6.04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की हो चुकी है बोनी

रायपुर। प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती किसानी का सिलसिला शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने के निर्देश दिए हैं। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रदेश के किसानों को अब तक 6.58 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 6.04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ सीजन में 48.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि 23 जून 2025 की स्थिति में प्रदेश में अब तक 62.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1238.7 मिमी है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ 2025 के लिए प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 6 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 3.68 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 74 प्रतिशत है। खरीफ वर्ष 2024 में राज्य में बीज निगम से 4.64 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया था।

इसी प्रकार प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 14.62 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध 11.36 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है। उक्त भंडारण के विरूद्ध 6.58 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 45 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश के किसानों को सुगमता से उनकी मांग के अनुरूप खाद-बीज सुगमता से उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा है।

पहला कॉलम

माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन के बाद आवाजाही प्रभावित, बैटरी कार सेवा स्थगित

रियासी,24 जून (ए)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए बनाया गया नया हिमकोटि मार्ग सोमवार को तेज बारिश की वजह से भूस्खलन की चपेट में आ गया। इसका असर मंगलवार को भी दिखा। रास्ते में मिट्टी और पत्थरों से श्रद्धालुओं को आने-जाने में समस्या हुई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन बैटरी कार की सेवा स्थगित कर दी गई है। श्राइन बोर्ड के कर्मचारी पुलिस और प्रशासन की मदद से मार्ग को सुचारू कर रहे हैं। नए मार्ग पर विपदा आने के बाद तीर्थ यात्रियों को पुराने मार्ग पर भेज दिया गया है। यहां से मंदिर तक के लिए यात्रा जारी है। नए हिमकोटि मार्ग पर सत्या व्यू प्वाइंट के निकट मार्ग पर भूस्खलन तब हुआ, जब क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की आवाजाही नहीं थी। इससे बड़ा हादसा टल गया। भूस्खलन का मलबा 30 फीट से अधिक मार्ग पर फैला हुआ है। मार्ग की सफाई के बाद बैटरी कार सेवा को बहाल किया जाएगा। हिमकोटि मार्ग पर भूस्खलन का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें श्रद्धालु कीचड़ और मलबे के बीच से निकलते नजर आ रहे हैं। पहाड़ पर बारिश की वजह से हेलीकॉप्टर सेवा भी 5 दिन से स्थगित है।

कुछ अलग

महाराष्ट्र में 5 महीने में 30,000 से अधिक लोग लापता, मुंबई में सबसे ज्यादा

मुंबई,24 जून (ए)। महाराष्ट्र में अचानक लापता होने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले 5 महीने में पूरे राज्य में 30,000 से अधिक लोग लापता हो गए हैं। पुलिस के आंकड़ों के हवाले से पता चला है कि लापता होने वालों में राज्य में मुंबई सबसे आगे है, जहां जनवरी से मई के बीच में 3,475 लोग गायब हुए हैं, जो कुल मामलों का 10 प्रतिशत से अधिक है। यह आंकड़े पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में पिछले 5 महीने में 30,113 लोग, यानी रोजाना औसतन 200 लोग गायब हो रहे हैं। लापता लोगों के मामले में मुंबई के बाद दूसरे स्थान पर ठाणे हैं, जहां 5 महीन में 2,003 लोगों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यहां अक्सर लापता व्यक्तियों की संख्या ज्यादा होती है। इसके बाद अहिल्याबाई नगर है, जो आबादी में बेहद कम है। यहां 1,411 गुमशुदगी के मामले दर्ज हैं। सबसे अधिक गुमशुदगी के मामले मुंबई, ठाणे और अहिल्याबाई नगर के बाद पुणे और नासिक ग्रामीण में हैं। पुणे में 1,364 और नासिक में 1,338 लापता व्यक्ति हैं। ये राज्य के शीर्ष-5 शहर हैं, जहां लापता व्यक्तियों की संख्या अधिक है। लापता कुल 30,113 लोगों में 12,467 पुरुष और 17,646 महिलाएं हैं। इसमें नाबालिग शामिल नहीं है क्योंकि उनको अपहरण में दर्ज किया जाता है। फरवरी में लापता लोगों की संख्या कम है, जबकि मार्च में 17 प्रतिशत बढ़ी है।

खरीफ सीजन 2025 के लिए 9.6 लाख किसानों को 4092 करोड़ से अधिक का अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में राज्य के अधिक से अधिक किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में किसानों को अब तक राज्य सहकारी बैंकों के द्वारा 2058 सहकारी समितियों के माध्यम से 4092.93 करोड़ रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण प्रदान किया गया है। इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा किसानों को 7800 करोड़ रूपए ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। अब तक वितरित कुल राशि लक्ष्य का लगभग 52.47 प्रतिशत है। किसानों को उनके मांग और रकबे के अनुरूप अल्पकालीन कृषि ऋण प्रदान किया जा रहा है। जबकि पिछले वर्ष आज की स्थिति में 4042.23 करोड़ रूपए के अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित किए गए थे।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को खेती-किसानी की प्रारंभिक जरूरतों को पूरा करने तथा खेती-किसानी में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना प्रारंभ किए गए थे। इसके अलावा किसानों को साहूकारों के चंगुलों से बचाना इसका एक प्रमुख उद्देश्य था। वर्तमान समय में इस योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं। किसानों को प्रारंभिक जरूरतों के लिए न सिर्फ राहत मिली है, बल्कि फसलों के उत्पाद में लगातार वृद्धि हो रही है।

हैदराबाद में ड्रग्स तस्करी के इंटरनेशनल रैकेट का भंडाफोड़, नाइजीरियाई समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद,24 जून (ए)। तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद और गोवा में सक्रिया एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है. इसके तार विदेशों से जुड़े हैं. जांच एजेंसी ने रविवार को एक नाइजीरियाई नागरिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया. अधिकारियों ने पकड़े गए आरोपियों के पास से 30 लाख रुपये की कीमत की 107 ग्राम कोकीन और छह मोबाइल फोन जब्त किए. राजेंद्रनगर के डीसीपी चिंतामनेनी श्रीनिवास ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी. पुलिस के अनुसार नाइजीरियाई नागरिक मैक्स उर्फ प्रिंसवेल उर्फ गेब्रियल इस सिंडिकेट के पीछे का मास्टरमाइंड है. वह विदेशों से भारत में ड्रग्स लाने और उन्हें आजीविका के अवसरों की तलाश में देश में आने वाले नाइजीरियाई और अफ्रीकियों को सौंपने के लिए जाना जाता है. 2022 में मैक्स ने एक अन्य नाइजीरियाई, चुकुमेका विजडम ओनेका उर्फ मेजर कार्टेल (22) को छात्र वीजा पर भारत भेजा. ओनेका ने गोवा में ड्रग्स ऑपरेशन का आधार बनाया.

18 लाख का गबन करने वाले नीलावाया पंचायत के सरपंच व सचिव गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। अरनपुर थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम पंचायत नीलावाया के तत्कालीन सरपंच और सचिव को पुलिस ने डीएमएफ की राशि से 18 लाख रुपए के गबन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। ग्राम पंचायत नीलावाया के तत्कालीन सरपंच रमेश कोर्राम एवं सचिव अनोज कुमार मण्डावी के द्वारा वर्ष 2022-2023, 2023-2024, 2024-2025 में ग्राम पंचायत नीलावाया में मूलभूत एवं निर्माण कार्यो में अनियमितता कर डीएमएफ खाते से लगभग 18 लाख 42 हजार 689 रुपए का गबन करने का आरोप लगा था। इसकी शिकायत पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दन्तेवाड़ा द्वारा तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। जांच रिपोर्ट अनुसार तत्कालीन सरपंच एवं सचिव नीलावाया द्वारा गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए थाना अरनपुर में आवेदन पेश किया गया । रिपोर्ट पर थाना अरनपुर में अपराध क्रमॉक-08/2025 धारा-316(2)(4)(5), 318(4), 61(2), 3(5) बीएनएस 2023 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय, अति. पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, अति. पुलिस अधीक्षक पूजा कुमार, अति. पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन , कल्पना वर्मा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुआकोण्डा के मार्गदर्शन एवं निर्देश पर विवेचना के दौरान तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव अनोज कुमार मण्डावी पिता स्व. भीमा राम मण्डावी उम्र 27 वर्ष ग्राम गोंगपाल स्कूलपारा थाना कुआकोण्डा एवं तत्कालीन ग्राम पंचायत सरपंच नीलावाया रमेश कोर्राम पिता स्व. मुका कोर्राम उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम नीलावाया पटेलपारा थाना अरनपुर को गिरफ्तार कर थाना अरनपुर में कार्यवाही उपरांत आज मंगलवार को दोनों अरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से दोनो आरोपियों को जेल दाखिल कर दिया गया।

अच्छा हुआ थम गया युद्ध, भारत से ज्यादा दूर नहीं थी इसकी आंच

◆ १२ दिन चली ईरान और इजरायल की जंग
◆ डोनाल्ड ट्रम्प ने किया युद्ध विराम का एलान
◆ भारत समेत पूरी दुनिया ने ली राहत की सांस

जबलपुर : सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल हिमांशी सिंह के मुताबिक, ईरान-इजरायल युद्ध का भारत सहित विश्व पर विभिन्न स्तरों पर व्यापक असर परिलक्षित हो सकता था। इस कड़ी में तेल-गैस के दाम प्रभावित हो सकते थे। आयात-निर्यात पर खर्च में अभिवृद्धि से इनकार नहीं किया जा सकता था।

उन्होंने बताया कि यदि ईरान-इजरायल के युद्ध में अमेरिका की एंट्री से भयावहता बढ़ती है, तो यह संघर्ष युद्ध में शामिल देशों के लिए तो नुकसानदेह साबित होगा ही भारत सहित विश्व के दूसरे देशों को इससे व्यापार के मोर्चे पर काफी परेशानी हो सकती है।

विशेषकर हार्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की ईरान की धमकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इससे भारत में ६० प्रतिशत गैस और ५० प्रतिशत कच्चे तेल के आयात पर खतरा मंडरा सकता है। सिर्फ २१ मील चौड़ा यह रास्ता दुनिया के २० प्रतिशत तेल के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है।

महंगाई की समस्या के आसार

हिमांशी सिंह ने बताया कि तेल महंगा होने से पेट्रोल-डीजल, एलपीजी की लागत बढ़ेगी। पश्चिम एशियाई देशों इराक, जार्डन, यमन आदि के साथ भारत का व्यापार प्रभावित हो सकता है। इन देशों की भारत के कुल निर्यात में ३४ प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसी तरह इजरायल की बात करें तो २०२४-२५ में इजरायल को भारत ने २.१ अरब डालर का निर्यात किया।

वहीं आयात करीब १.६ अरब डालर का रहा। पिछले वित्त वर्ष में ईरान से भारत का आयात ४४१. ८ अरब डालर था। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के मुताबिक, व्यापक क्षेत्रीय तनाव से इराक, जार्डन, लेबनान, सीरिया और यमन सहित पश्चिम एशियाई देशों के साथ भी भारत के व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

यहां भारतीय निर्यात कुल ८.६ अरब डालर और आयात ३३.१ अरब डालर है। युद्ध ने पहले ही ईरान और इजरायल को भारत के निर्यात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

सात वर्ष पूर्व गई थीं इजरायल

हिमांशी सिंह ने बताया कि उनके पिता आर्मी में थे। ब्रिगेडियर पति आर्मी बेस वर्कशाप में कार्यरत हैं। कई शहरों में रहीं हूं। सात वर्ष पूर्व इजरायल गई थी। इसलिए युद्ध के दौरान वहां के जिन शहरों का बार-बार जिक्र हो रहा है, उन्हें काफी करीब से देख चुकी हूं। वहां लोग चलते-फिरते नजर नहीं आते। वे दौड़ते-भागते रहते हैं। युवाओं को फील्ड वर्क और ५० की आयु से अधिक वालों को डेस्क वर्क दिया जाता है। वहां मिल्ट्री प्रशिक्षण अनिवार्य है। जिसके बाद इजरायल के युवा अक्सर भारत के उत्तराखंड में आकर ब्रेक का समय इत्मिनान से बिताते हैं। मैंने १९९८ में इंडियन आर्मी ज्वाइन करने के बाद २४ वर्ष तक सेवा दी। इस दौरान विशद अनुभव अर्जित किए, जिसके आधार पर युद्ध और उसके प्रभावों के सिलसिले में अपनी राय रखने में समर्थ हूं। मेरा मानना है कि समय के साथ सभी देशों ने अपनी युद्ध कला को अपग्रेड कर लिया है। अब तकनीकी की अहमियत बढ़ गई है।

इजरायल ने स्ट्राइक के बाद सोचा था कि ईरान काउंटर स्ट्राइक करेगा और बात खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इजरायल ने ईरान के मिल्ट्री लीडरशिप, साइंटिस्ट आदि को खत्म किया। उसने सोचा इससे ईरान टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

खरी-खरी

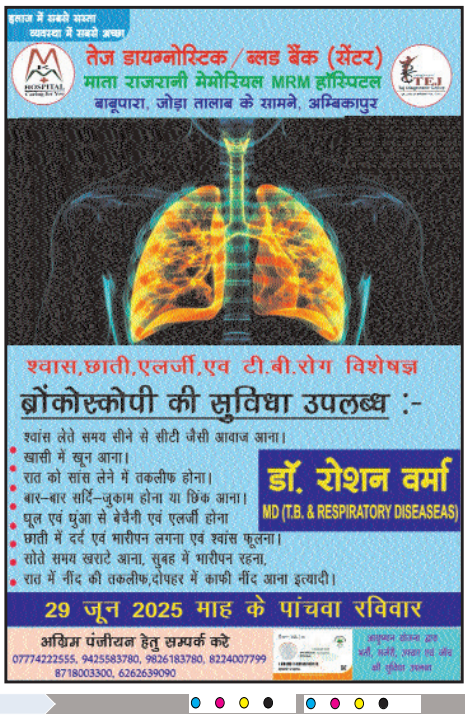

पहला कालम

कलेक्टर के अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि जिले में दुर्घटनाएं रोकने के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट, दुर्घटना संभावित क्षेत्र चिह्नित कर जरूरी सुधार कार्य कराएं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि जिन स्थानों में सड़क दुर्घटना की संभावना रहती है वहां पर स्पीड कंट्रोल करने के लिए स्पीड ब्रेकर, जागरूकता बोर्ड व रिफ्लेक्टर लगाएं। कलेक्टर ने सर्वाधिक दुर्घटना वाले क्षेत्र में सुरक्षा के सभी आवश्यक व्यवस्था जैसे-वाहनों की गति सीमा का बोर्ड, गति अवरोधक, अंधे मोड़, दुर्घटनाजनक क्षेत्र में संकेतक चिन्ह पर्याप्त मात्रा में लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। कलेक्टर ने पशुओं से होने वाले सड़क दुर्घटनाओं के लिए सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को रेडियम बेल्ट लगाने के साथ ही आवारा पशुओं के उचित प्रबंधन के लिए आवश्यक निर्देश भी दिये। उन्होंने सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए लोगों को हेलमेट पहनकर सीमित गति से वाहन चलाने, नशा सेवन कर वाहन न चलाने, यातायात के नियमों की जानकारी देने हेतु लोगों में जन जागरूकता लाने की बात कही। साथ ही समय-सयम पर स्कूल, कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए। बैठक में समिति के सदस्य एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आईटीआई रामानुजगंज में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 जून

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामानुजगंज के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामानुजगंज में शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन १६ जून से शुरू की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी २५ जून २०२५ तक ऑनलाइन माध्यम से वेबसाइट सीजीआईटीआई डॉट एडमिशन डॉट एनआईसी डॉट ईन पर अपना आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामानुजगंज में ९९८१५-३८९७२ पर संपर्क कर सकते हैं।

ताम्बेश्वरनगर एवं पुरुषोत्तमपुर में किया गया विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला न्यायाधीश श्री हेमन्त सराफ बलरामपुर-रामानुजगंज की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत ताम्बेश्वरनगर एवं पुरुषोत्तमपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामानुजगंज श्री श्रीकांत श्रीवास, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री लोकेश कुमार, व्यवहार न्यायाधीश रामानुजगंज श्री क्षितिज नवरंग, थाना प्रभारी रामानुजगंज एवं ग्राम पंचायत ताम्बेश्वर नगर एवं पुरुषोत्तमपुर के सरपंच सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

विधिक साक्षरता शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री हेमन्त सराफ द्वारा उपस्थित समस्त ग्रामवासियों को संबोधित करते हुये कहा कि मुश्किलें आपके जीवन में आपके अंदर की हुनर को निखारने के लिए आती है, इसलिए आपको मुश्किलों से कभी भी घबराना नहीं चाहिए। व्यवहार में बच्चा होना, काम में जवान होना और अनुभव में वृद्ध होना किसी भी व्यक्ति को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा देता है। उन्होंने आगे कहा कि कानून एक समंदर है, सभी कानूनों को विस्तारपूर्वक जानना संभव नहीं है, किंतु कुछ मूलभूत कानूनों के बारे में आवश्यक रूप से अवगत होना चाहिए, इससे आप के साथ-साथ समाज में भी जागरूकता आती है। हम कानून के मूलभूत जानकारी के आधार पर अपराध करने से बच सकते हैं। यह कानून हमारे लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है, बड़े अपराध व बड़े मुकदमे से बचा सकती है। समाज में जागरुकता का अभाव, अपने अधिकारों की जानकारी न होना, यही शोषण का सबसे बड़ा कारण है। उन्होनें अपराध को स्पष्ट करते हुए कहा कि पुराणों में जिन कार्यों को पाप बताया गया है, वही अपराध है। इसलिए यदि हम अपराध की श्रेणियों को नहीं भी जानते हैं, फिर भी हम अपने पुराणों के आधार पर अपराध से बच सकते हैं।

द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्रीकांत श्रीवास ने उपस्थित समस्त ग्रामवासियों को टोनही प्रताड़ना अधिनियम, नवीन मोटरयान अधिनियम, माता-पिता के बच्चो से भरण पोषण संबंधी कानून, आबकारी अधिनियम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री लोकेश कुमार ने विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना, उद्देश्य एवं कार्यों को स्पष्ट करते हुए कहा कि समान अवसर के आधार पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम १९८७ पारित किया गया। जिसके द्वारा केंद्र में राष्ट्रीय विधिक सेवा समिति, राज्य में राज्य विधिक सेवा समिति एवं जिलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है। प्राधिकरण का कार्य नालसा की नीतियों और निर्देशों को कार्य रूप देना और लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना है। जिन लोगों के पास न्यायालय जाकर अपनी कानूनी समस्या को रखने के लिए धन नहीं है, उन्हें बिना पैसा लिये कानूनी सहायता प्रदान करता है। पात्रतानुसार व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सलाह/सहायता व निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान कराना ताकि जनसामान्य को सुलभ व त्वरित न्याय मिल सके। साथ ही उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं कमजोर वर्गों को उनके अधिकारों के साथ ही लोक अदालत के माध्यम से विवादों को सुलझाने के लिए प्रोत्साहित करना, ग्रामीण क्षेत्रों एवं शिक्षण संस्थानों में कानूनी साक्षरता और जागरूकता के लिए विधिक जागरूकता शिविर लगाना, लोगों को उनके विधिक अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने हेतु विधिक ज्ञान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, निवारक व अनुकूल विधिक साक्षरता कार्यक्रमों का संचालन करना, सरल एवं सजग भाषा में लिपिबद्ध विधि संबंधी पुस्तकों, पम्पलेट्स आदि का निःशुल्क वितरण करना ताकि लोग अपने दैनिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति अधिक सजग हो सकें।

व्यवहार न्यायालय रामानुजगंज के न्यायाधीश श्री क्षितिज नवरंग ने सिविल एवं क्रिमिनल प्रकरणों के बारे में बताते हुए मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण के फायदे व दैनिक उपयोगी कानून की जानकारी दी।

दुष्कर्म कर वीडियो बनाया फिर वायरल करने की धमकी दे उगाही,गिरफ्तार

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म कर पहले उसका वीडियो बनाया फिर उसी फोटो वीडियो को इंस्टा ग्राम फेसबुक में अपलोड करने की धमकी देकर उससे लगातार रकम ऐंठने मामले की पिछले दिनो दर्ज रिपोर्ट पर बिश्रामपुर पुलिस ने आरोपी युवक को सोमवार को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।आज जरूरी कागजी कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी युवक मनीष कुमार पिता सुरेश राय २५ वर्ष निवासी छपरा बिहार को न्यायालय पेश कर दिया है। बिश्रामपुर थाने में पदस्थ एएसआई अविनाश सिंह ने बताया कि मामला करीब ढाई तीन वर्ष पुराना है घटना के समय शिकायत कर्ता नाबालिग थी। प्रार्थिया ने दस दिवस पूर्व चौदह जून का थाना पहुंच शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने रिश्ते के भाई के विवाह में वर्ष २०२२ में अपने गृहग्राम छपरा बिहार गई थी इसी दौरान उसका परिचय आरोपी से हुआ परिचय के बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगा दिसंबर २०२२ में मनीष उसके घर बिश्रामपुर आया और नाबालिग जानकार भी उसके साथ संबंध बनाया और उसकी वीडियो बना ली बाद में इसी वीडियो को सार्वजनिक कर देने की धमकी दे उससे रु ऐंठते रहा।करीब एक वर्ष पूर्व से वह छोटी छोटी बातों को लेकर उससे फोन पर ही झगड़ता रहा और इंस्टाग्राम में उसके नाम आईडी बनाकर उसकी फोटो और मैसेज डाल उसे बदनाम करने लगा और न्यूड फोटो वायरल करने की धमकी देने लगा और उससे पैसे की मांग करने लगा कई बार उसने उसे यूपीआई और नगद रकम भी दिए।लगातार धमकी और पैसों की मांग के बाद परेशान हो उसने मामले की रिपोर्ट बिश्रामपुर थाने में दर्ज कराई।पुलिस ने मामले की जांच विवेचना के दौरान आरोपी युवक मनीष कुमार को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है,पूछताछ और कागजी कार्यवाही के बाद आरोपी के ऊपर दर्ज प्रकरण धारा ५०९,३७६,३८४ आईपीसी एवं आईटी एक्ट की धारा ६७ बी एवं पास्को एक्ट की धारा ४,६ के तहत दर्ज मामले में आज न्यायालय पेश कर दिया है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर में पुल व सड़क निर्माण के लिए स्वीकृत हुए 48.72 करोड़

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में आधारभूत संरचना के विकास को नया आयाम मिलने जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के लिए कुल ४८ करोड़ ७२ लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। इस राशि से जिले में सड़कों व पुल पुलियों का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

प्रमुख स्वीकृत कार्यों में एन.एच. ४३ से नया कृष्ण मंदिर सिलफिली बनारस रोड तक ५ किलोमीटर लंबे पहुँचमार्ग का निर्माण कार्य, जिसकी लागत ६९०.६८ लाख रुपए है। इसी प्रकार एन.एच. ४३ से मायापारा दुगार्बाड़ी होते हुए रविंद्र नगर (नवापारा) तक ४ किलोमीटर का पहुँच मार्ग ४४८.९५ लाख रूपए की लागत से तैयार किया जाएगा। बीरमताल से उमेशपुर के बीच गोबरी नदी पर पुलिया निर्माण कार्य हेतु ३०७.१९ लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह ७६१ लाख रूपए की लागत से पकनी चेन्द्रा चौड़ीकरण, ५९३ लाख रूपए की लागत से कुप्पा जमघरपारा से चौकीदार पारा नवा पारा, गिरहूलपारा (६.१० किलोमीटर पुल-पुलिया) सहित निर्माण, ४१९ लाख रूपए की लागत से हरिपुर से छतरंग पहुंच मार्ग में कागज नाला पर पुलिया निर्माण, ५१० लाख रूपए की लागत से सिरसी से कुसमुसी मार्ग पर गोबरी नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण, ७४१ लाख रूपए की लागत से लांजित से सौहार मार्ग पर महान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण और सुंदरपुर-शौंकी-नेवटाली-सलका मार्ग (लंबाई ४.१० किमी) पर डब्ल्यू.बी.एम. एवं डामरीकरण कार्य ४०३ लाख रूपए से निर्मित होने वाली शामिल हैं। इन कार्यों के स्वीकृत होने पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से सूरजपुर जिले के ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय लोगों को यातायात की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही, व्यापार और कृषि से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के हर वादे को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

इन परियोजनाओं से जुड़े निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

एसईसीएल ने छग राज्य ग्रामीण बैंक के साथ अपने कर्मियों के लिए कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज हेतु किया समझौता

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।सोमवार २३ जून को निदेशक मानव संसाधन एसईसीएल बिरंची दास एवं निदेशक वित्त डी. सुनील कुमार की उपस्थिति में एसईसीएल एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के मध्य एसईसीएल के कर्मचारियों के वेतन खातों को राष्ट्रीय बैंकों की तर्ज पर कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज में कवरेज हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किया गया। एसईसीएल की ओर से दुर्गा प्रसाद सामल, महाप्रबंधक (मानव संसाधन झ अं. सं./कर्मचारी स्थापना) एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की ओर से अमरजीत सिंह खनूजा, सहायक महाप्रबंधक (बिजनेस एंड क्रेडिट/संचालन), सीआरजीबी, मुख्यालय, रायपुर ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। एसईसीएल. द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ किया गया एमओयू अनुषंगी स्तर पर किसी भी ग्रामीण बैंक के साथ हस्ताक्षरित किया गया पहला एमओयू है जिससे एसईसीएल के ३६३७ कर्मचारी जिनका वेतन खाता छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में है को कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज का लाभ मिलेगा। इस एमओयू के उपरांत एसईसीएल के ९९त्न कर्मचारी कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के दायरे में आ जायेंगे।

उरांव समाज द्वारा प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
उरांव समाज अंबिकापुर द्वारा रामनाथ भगत संरक्षक उरांव समाज के नेतृत्व में उरांव समाज पूजा स्थल गंगापुर परिसर में समाज के लोगों द्वारा पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण हेतु वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया इस अवसर पर आम जामुन नींबू कटहल इत्यादि के साथ ही सजावटी पौधों का भी रोपण किया गया। लोगों द्वारा आम अमरूद कटहल जामुन जैसे फलदार वृक्षों के साथ बचपन की नटखट यादों को साझा किया गया। इस अवसर पर उमेश कुमार भगत देवान उरांव समाज मूली पड़हा अंबिकापुर द्वारा लोगों को संदेश दिया गया की पेड़ पौधे हमारी प्रकृति और पर्यावरण को हरा भरा करते हैं हमारे द्वारा किए गए गंदे अर्थात कार्बन डाइऑक्साइड युक्त वायु को ऑक्सीजन मैं बदलकर शुद्ध करते हैं धरती में जल स्तर को बढ़ाते हैं वर्षा करने के लिए बादलों को आकर्षित करते हैं हम सभी को छाया प्रदान करते हैं साथ ही भांति भांति के फल इससे हमें प्राप्त होते हैं और यह सभी किसी एक जाति समाज या धर्म के लोगों के लिए नहीं अपितु मनुष्यों के साथ ही साथ समस्त जीव जंतुओं के लिए समान रूप से उपयोगी होते हैं इस प्रकार से पेड़ पौधे संपूर्ण जीव जगत के लिए अति आवश्यक हैं इसलिए इनका संरक्षण और संवर्धन करना हम सभी का प्रथम धर्म है इस अवसर पर समाज के अनेकों लोग उपस्थित थे जिनमें मुख्य रामनाथ भगत जगेश्वर भगत गोविंद भगत फुलमनिया भगत बालकुमारी आलोक भगत दिनेश्वर भगत राकेश तिर्की अनिल लकड़ा अनिल मिंज रीता भगत विनीता भगत पारस एक्का मनराज भगत मंजरी मिंज इत्यादि समाज के लोग उपस्थित रहे।

बंगाली समाज को क्रिमिनल कहने पर बवाल, माफी नहीं तो कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कांकेर जिले के पखांजूर में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस ने छत्तीसगढ़ की सामाजिक सरहदों में हलचल मचा दी है। इस कॉन्फ्रेंस में कन्हैया लाल

उसेंडी द्वारा बंगाली समाज के लिए क्रिमिनल शब्द के प्रयोग से गहरी नाराजगी पैदा हो गई है। बंगाली समाज ने इसे सामूहिक अपमान की संज्ञा देते हुए विरोध की चेतावनी दी है और साफ कहा है कि यदि माफी नहीं मांगी गई तो कानूनी और सामाजिक दोनों स्तरों पर उग्र कदम उठाए जाएंगे। बंग समाज कल्याण समिति के सुरजपुर जिलाध्यक्ष पवन वर्मन ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती पर सभी समुदाय एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहते हैं। ऐसे में किसी एक समाज को क्रिमिनल बताना न केवल दुर्भाग्यजनक है, बल्कि समाज के खिलाफ भड़काऊ और अपमानजनक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी पद या विचारधारा से जुड़ा हो, उसे यह अधिकार नहीं है कि वह किसी पूरे समुदाय को निशाना बनाए। यह बयान न केवल सामाजिक सद्भाव को आहत करता है, बल्कि छत्तीसगढ़ की बहुजातीय और समावेशी संस्कृति को भी चुनौती देता है।बंग समाज ने कन्हैया लाल उसेंडी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। समाज के प्रवक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द ही माफी नहीं मांगी जाती, तो वे राज्यव्यापी स्तर पर आंदोलन शुरू करने और कानूनी कार्रवाई करने को बाध्य होंगे। जिलाध्यक्ष सुरजपुर पवन वर्मन ने कहा कि हम चुप नहीं बैठेंगे। यह सिर्फ बंगाली समाज का मामला नहीं है, बल्कि यह सभी समाजों की गरिमा का प्रश्न है। यदि इस तरह के बयानों पर लगाम नहीं लगी, तो प्रदेश में रहने वाले विभिन्न समुदायों के बीच आपसी विश्वास और मेलजोल पर बुरा असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बंगाली समाज उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक अन्य समाजों के साथ समन्वय और सहयोग से रह रहा है और ऐसी बयानबाजी विभाजनकारी मानसिकता का प्रमाण है। बंग समाज ने कन्हैया लाल उसेंडी के राजनीतिक और सामाजिक संगठन के शीर्ष नेतृत्व से अपील की है कि वे इस पूरे मामले को गंभीरता से लें और उसेंडी पर कड़ी कार्रवाई करें, ताकि राज्य में सभी समाजों की सहभागिता और समानता की परंपरा को सुरक्षित रखा जा सके।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती का 60 वां पूण्य स्मृति दिवस मनाया गया

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
लखनपुर सेवा केन्द्र संचालिका बी. के. पुष्पा दीदी व ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा मातेश्वरी जगदम्बा जी के छायाचित्र पर पुष्प,माल्यार्पण कर भावभीनी श्रध्दांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर बी.के. पुष्पा दीदी ने मातेश्वरी जी की दिव्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मम्मा का जन्म वर्ष १९१९ में अमृतसर के साधारण परिवार में हुआ था। उनके बचपन का नाम राधे था। जब आप ओम की ध्वनि का उच्चारण करती थीं तो पूरे वातावरण में गहन शांति छा जाती थी, इसलिए भी आप ओम राधे के नाम से लोकप्रिय हुईं। जैसा नाम था वैसे राधे मुरली की मस्तानी थी, आप बचपन से ही कुशाग्र बद्धि और प्रतिभावान थीं। बाबा का एक - एक शब्द बड़े प्यार से सुनती,सुनाती और बहुत अच्छी तरह से स्पष्ट कर सबको सुनाती। इसलिए तो सरस्वती के हाथ में ज्ञान की सितार दिखाते हैं। मम्मा के सिर पर ज्ञान अमृत का कलश शिवबाबा ने रखा मम्मा उसे धारण कर सुनाने के निमित्त बनी। लेकिन मम्मा हमेशा कहती थी पिता प्रसादे। बाप

से मिला हुआ सुना रहीं हु। स्वयं की धारणा में जो है वह सुना रहीं हूं,तभी वाणी में वह मधुरता,सच्चाई झलकती थी। जितनी हमारे में सत्यता,पवित्रता होगी उतनी मिठास आयेगी। मम्मा ,मम्मा तभी बनी जब उसने एक बार हुई गलती दुबारा होने नहीं दी। मम्मा का सबसे बड़ा गुण था हां जी,जी बाबा ....मम्मा ने मुख से कभी भी दूसरा शब्द नहीं बोला। कभी श्रीमत में मनमत एड नहीं की। ब्रह्मा बाबा ने कोई भी ज्ञान की बात आपको दोबारा नहीं सिखाई। आप एक बार जो बात सुन लेती थीं उसी समय से अपने कर्म में शामिल कर लेती थीं। २४ जून १९६५ को आपने अपने नश्वर देह का त्याग करके संपूर्णता को प्राप्त किया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वर्ष १९३७ में स्थापना के समय संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने जब माताओं - बहनों के नाम एक ट्रस्ट बनाया तो उसकी जिम्मेदारी सबसे पहले मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) को दी गई थी। तब से लेकर २४ जून १९६५ तक आपने इस ईश्वरीय विद्यालय की बागडोर बड़ी ही कुशलता के साथ निभाई। कम उम्र होने के बाद भी आपका गंभीर व्यक्तित्व और ज्ञान की गहराई को देखकर सभी अचंभित रह जाते थे। आज जगदम्बा सरस्वती हमारे बीच में नहीं है परन्तु उनकी मार्गदर्शन और उनकी प्रेरणाएं महान बनने की राह दिखाती हैं। सम्भवतः यह विश्व की पहली ऐसी संस्था है जिसका संचालन बहनों के हाथ में है।ये ऐसे मान्यताओं के साथ लेकर आगे बढ़ रही रही है। जिनके बारे में आज कल्पना करना भी कठिन सी लगती है। परन्तु देवी की साक्षात मिसाल जगदम्बा सरस्वती ने दैवी गुणों को ऐसा बीजारोपण किया कि पूरे विश्व में वन्दे मातरम् का ध्वज लहरा रहा हैं।

ऐसे श्रेष्ठ मार्ग की राही बनाने वाली शक्ति स्वरूपा महान विभूति को उनके पूण्य तिथि पर शत -शत नमन।ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े लगभग २५० भाई - बहनों ने भी मातेश्वरी जी के दिव्य विशेषताओं को प्रैक्टिकल योगबल द्वारा , उनकी प्रेरणा दायी क्लास सुनकर जीवन में धारण करने , उनके जैसा बनने का दृढ़ संकल्प करते हुए भाव भीनी पुष्पांजलि अर्पित किया एवं ब्रह्माभोजन स्वीकार किया।

पुष्पा इम्पॉसिबल में लॉ कॉलेज के पहले ही दिन पुष्पा पर मोबाइल चोरी का आरोप!

मुंबई। सोनी सब का प्रेरणादायक शो पुष्पा इम्पॉसिबल लगातार दर्शकों के सामने पुष्पा की हिम्मत, जुझारूपन और उसके सपनों को पाने की जिद को बखूबी दर्शा रहा है। हालिया एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि पुष्पा (करुणा पांडे) बेसब्री से अपनी परीक्षा के नतीजों का इंतजार कर रही थी, क्योंकि उसी पर उसकी लॉ कॉलेज में एडमिशन की उम्मीद टिकी हुई थी। अब आने वाले एपिसोड्स में पुष्पा की जिंदगी में एक नया और रोमांचक अध्याय शुरू होने वाला है। कड़ी मेहनत के बाद पुष्पा अपनी लॉ एंट्रेंस परीक्षा पास कर लेती है और आखिरकार एक प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज में दाखिला पाकर अपना सपना पूरा करती है। वहां उसकी पढ़ाई की शुरूआत प्रोफेसर शास्त्री (गौरव चोपड़ा) के मार्गदर्शन में होती है। लेकिन कॉलेज का पहला ही दिन उसके लिए एक बुरा सपना बन जाता है। पूरी क्लास के सामने उस पर मोबाइल चोरी का आरोप लग जाता है। इस अनपेक्षित आरोप से पुष्पा स्तब्ध और आहत हो जाती है और मुश्किल हालात में घिर जाती है।

क्या पुष्पा अपनी बेगुनाही साबित कर पाएगी? क्या प्रोफेसर शास्त्री इस कठिन घड़ी में उसका साथ देंगे? जानने के लिए देखते रहिए पुष्पा की यह नई चुनौती।

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे कहती हैं कि पुष्पा की ये यात्रा बेहद सच्ची और भावुक है। यह सिर्फ कॉलेज में दाखिला लेने की बात नहीं है, बल्कि यह हर उस चुनौती से लड़कर अपने सपनों को पाने की कहानी है। हमारे समाज में कई ऐसी असली जिंदगी की पुष्पाएं हैं–जिन्होंने लंबे ब्रेक के बाद फिर से कॅरियर शुरू किया या सालों बाद किताबें उठाई, क्योंकि उन्होंने अपने सपनों को कभी मरने नहीं दिया। जब कोई कहता है कि उन्हें पुष्पा की कहानी से प्रेरणा मिलती है, तो वो मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। पुष्पा का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे मैं गर्व से निभा रही हूं।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर का बड़ा एक्शन - लापरवाह विभागों को फटकार, अधूरे कार्यों पर दिखी नाराजगी

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने विभागीय कार्यों में लापरवाही पर नाराजगी जाहिर करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कोरबा शहर के व्यस्तम मार्ग सुनालिया नहर पुल के समीप प्रस्तावित अंडरपास निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए, प्रशासकीय स्वीकृति के एक वर्ष बाद भी टेंडर जारी नहीं होने पर असंतोष जताया। उन्होंने सेतु विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी करने और भविष्य में जनहित से जुड़ी परियोजनाओं में विलंब न करने की चेतावनी दी।

डायरिया व सर्पदंश से बचाव हेतु ठोस तैयारी के निर्देश

वर्षा ऋतु में जलजनित रोगों की आशंका को देखते हुए कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को डायरिया एवं सर्पदंश की रोकथाम हेतु व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वनांचल, दूरस्थ क्षेत्रों और पीवीटीजी बसाहटों में जागरूकता एवं उपचार सेवाएं समय रहते पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, पीएचई विभाग को सभी जल स्त्रोतों के क्लोरीनेशन कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। कलेक्टर ने सर्पदंश की स्थिति में त्वरित उपचार के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में एंटीवेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। एसडीएम को हैंडपंप मैकेनिकों और लाइनमैनों की बैठक लेकर सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा, आंगनबाड़ी व विद्युत कार्यों में भी सख्ती

कलेक्टर ने युक्तियुक्तकरण के तहत हुए शिक्षकों के स्थानांतरण मामलों की समीक्षा करते हुए लंबित अभ्यावेदनों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में १ जुलाई से मध्याह्न भोजन/नाश्ता वितरण प्रारंभ करने हेतु आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप देने को कहा। साथ ही, स्कूलों, आश्रम छात्रावासों और आंगनबाड़ी केंद्रों में रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देशित किया गया। विद्युत विभाग को कोरबा व कटघोरा ग्रामीण क्षेत्रों के लेमरू, ललमटिया, अमलडीहा, बेलसेंघा जैसे विद्युतविहीन मजरा-टोले में तेजी से विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने को कहा गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग को सुदूर पारा-मोहल्लों में डीएमएफ मद से मिनी आंगनबाड़ी केंद्र प्रारंभ करने हेतु तैयारी करने को कहा गया। वहीं, विद्युतविहीन आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए।

डीएमएफ से अप्रारंभ कार्य होंगे निरस्त, नए कार्यों पर रोक

बैठक में कलेक्टर ने जनपद सीईओ से ग्राम पंचायतों के स्वीकृत, अपूर्ण व लंबित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि तीन माह पूर्व स्वीकृत और अब तक प्रारंभ नहीं हुए कार्यों को निरस्त किया जाए। साथ ही, १ जनवरी २०२४ के पूर्व स्वीकृत लेकिन अपूर्ण कार्यों के रहते डीएमएफ से नए कार्यों की स्वीकृति पर रोक लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पंचायतों में निमार्णाधीन स्कूल, पंचायत एवं अन्य भवनों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु श्रमिकों की संख्या बढ़ाने और समांतर कार्य संचालित करने पर बल दिया। उपयोगविहीन, जर्जर भवनों की सूची तैयार कर ग्राम पंचायत से अनुमोदन उपरांत विनिष्टीकरण और मलबा निस्तारी की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

आवास निर्माण में प्रगति लाने पर जोर - प्रधानमंत्री आवास एवं पीएम जनमन योजना अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को फील्ड में जाकर हितग्राहियों को निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने हेतु प्रेरित करने व समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल, डीएफओ कटघोरा कुमार निशांत, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, मनोज बंजारे सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

डीएवी शिक्षिका का चैन लुट भागे स्नैचर, शिक्षिका को आई चोटें

बिश्रामपुर एसईसीएल बिश्रामपुर के टूए कॉलोनी में मंगलवार शाम डीएवी स्कूल बिश्रामपुर की शिक्षिका कॉलोनी में ही इवनिंग वॉक के दौरान चैन स्नेचिंग की शिकार हो गई। घटना पौने आठ बजे की बताई गई है।घटना में डीएवी शिक्षिका को चोटें आई हैं जिन्हें केंद्रीय चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार बाद छुट्टी दे दी गई है। घटना की रिपोर्ट शिक्षिका के पति के पांडेय ने बिश्रामपुर पुलिस को लिखित में दी है।घटना शाम साढ़े सात बजे की बताई गई है।घटना के संबंध में शिक्षिका के पति एसईसीएल टूए कॉलोनी क्वार्टर नंबर ११४ में निवासरत रिटायर्ड एसईसीएल अधिकारी के पांडेय ने बताया कि उनकी पत्नी नीलम पांडेय और वे दोनों रोजाना की तरह कॉलोनी में ही वॉक कर रहे थे वॉक करते हुए वे वापस घर के करीब पहुंच गए थे इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक अचानक मौके पर पहुंचे और उनकी पत्नी के गले से चैन खींचने लगे घटना देख उन्होंने हो हल्ला और प्रतिकार का प्रयास भी किया और हांथ में रखे छाता से युवक को विरोध स्वरूप मारने के लिए किया तो उसमें एक युवक ने उन पर रिवॉल्वर तान दिया जिससे वे डर गए और पीछे हट गए जिसके बाद युवक उनकी पत्नी के गले से चैन लुट तेजी से बाइक समेत भाग निकले। श्री पांडेय ने बताया कि चैन लूटने के दौरान उनकी पत्नी मौके पर ही गिर गईं जिन्हें हाथ पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई है जिन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।घटना से कॉलोनी में भय और दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। श्री पांडेय ने बताया कि वे पिछले बत्तीस वर्षों से इसी क्वार्टर में रह रहे हैं लेकिन ऐसी घटना कॉलोनी में पहली बार हुई है।स्नैचर द्वारा लूटे गए चैन साढ़े तीन तोला की कीमत करीब साढ़े तीन लाख के करीब बताई गई है। बिश्रामपुर क्षेत्र में एक के बाद एक हो रही चोरी लुट की घटना से पुलिस की खासी किरकिरी हो रही है।करीब दो ढाई माह पहले कुमदा कॉलोनी में मंदिर से वापस लौट रही महिला भी चैन स्नेचिंग की शिकार हुई थी जिसका आज तक पता नहीं चल सका है इसके आज पुनः चैन स्नेचिंग की घटना हो गई.

करोड़ों की बबार्दी, वार्डों में अंधेरा- फिजूलखर्ची पर भड़के नेता प्रतिपक्ष, कहा- जनता की मेहनत की कमाई को बर्बाद कर रहा नगर निगम, सीएम को लिखा पत्र

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर पालिक निगम कोरबा में महापौर के निर्देश पर बड़े पैमाने पर फिजूलखर्ची किए जाने का आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष कृपा राम साहू ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि निगम आम जनता के टैक्स के पैसे को विकास में खर्च करने के बजाय अनावश्यक और अनुपयोगी कार्यों में बर्बाद कर रहा है। इस पूरे मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है। कृपा राम साहू ने कहा कि शहर में सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपये के कार्यों का प्रस्ताव बनाकर जनता की मेहनत की कमाई को अंधाधुंध खर्च किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि बुधवारी बाजार के पास स्थित सीएसईबी हॉस्पिटल की बाउंड्रीवाल, जैन मंदिर परिसर के बाहर और कोसाबाड़ी चौक जैसे स्थानों पर लोहे की भारी-भरकम ग्रिल दीवार खड़ी की गई है। इससे फुटपाथ पर वर्षों से व्यवसाय कर रहे छोटे दुकानदारों को नुकसान हुआ है और अब वे सड़क पर अपनी दुकानें लगाने को मजबूर हैं, जिससे रोजाना ट्रैफिक बाधित हो रहा है।

इतना ही नहीं, ग्रिल के आगे महंगे थर्मोप्लास्टिक से ३नो पार्किंग३ चिन्हित किया गया है, जिसकी लागत काफी अधिक है। बावजूद इसके वहां रोजाना ठेले, गाड़ियाँ और अन्य सामान रखे रहते हैं, जिससे यह कार्य पूरी तरह बेकार हो गया है। नेता प्रतिपक्ष ने इसे जनता के पैसे की बबार्दी बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम अधिकारी जानबूझकर करोड़ों के कार्यों को टुकड़ों में विभाजित कर वार्षिक दर निर्धारण टेंडर के जरिए छोटे-छोटे कायार्देश जारी कर रहे हैं ताकि मरम्मत मद से भुगतान किया जा सके और अनियमितता उजागर न हो।

कृपा राम साहू ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस फिजूलखर्ची पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषी अधिकारियों पर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जहां कुछ ही रुपये में ३नो पार्किंग३ बोर्ड लगाकर जागरूकता लाई जा सकती थी, वहां लाखों खर्च कर सड़क पर पेंटिंग कर दी गई, जो पूरी तरह बेअसर साबित हो रही है। साथ ही वार्डों में पेयजल व बिजली जैसी समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं, जिस पर महापौर को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

एनएचएम संविदा भर्ती की दावा-आपत्ति निराकरण सूची और अनंतिम वरीयता सूची जारी, 30 जून तक आमंत्रित किए गए अभ्यावेदन

कोरबा अम्बिकावाणी - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत संविदा पदों के लिए आयोजित लिखित एवं कौशल परीक्षा के संबंध में

अभ्यर्थियों से प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण उपरांत सूची तथा अंतिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। यह सूचनाएं क्रमशः कार्यालयीन सूचना क्रमांक त्त१ दिनांक ०३ जून २०२५, क्रमांक ५८१५ दिनांक ०५ जून २०२५ तथा क्रमांक ५७५८ दिनांक ०४ जून २०२५ के आधार पर प्रकाशित की गई हैं। जारी की गई यह सूचियां जिला कोरबा की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती हैं। इसके अलावा, संबंधित सूची जिला कार्यालय के सूचना पटल पर भी अवलोकन हेतु उपलब्ध है। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी अभ्यर्थी को अनंतिम वरीयता सूची में किसी प्रकार की आपत्ति है, तो वह दिनांक ३० जून २०२५ की शाम ५:३० बजे तक अपना दावा-आपत्ति अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य विभाग ने अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि वे सूची का अवलोकन समय रहते कर लें और यदि आवश्यक हो, तो नियमानुसार उचित अभ्यावेदन प्रस्तुत करें।

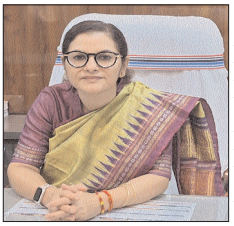

ग्राम पंचायतों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कर वसूली बेहद आवश्यक - श्रीमती चंदन

जल संरक्षण हेतु जनभागीदारी से ग्राम पंचायत में कम से कम चार सोख्ता गढढे बनेंगे 17 विषयों पर चर्चा के साथ जून माह में आयोजित होंगी ग्राम सभाएं, दिशा निर्देश जारी

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के सभी ग्राम पंचायतों में जून माह में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस माह आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं के लिए चयनित १७ विषयों के बारे में अपेक्षित कार्यवाही को लेकर कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। ग्राम सभाओं के आयोजन को लेकर कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि ग्राम पंचायतों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ग्राम पंचायतों को अपने आय के स्त्रोत मजबूत करने पर विशेष तौर पर ध्यान देना होगा। साथ ही समय पर कर वसूली कर प्रत्येक ग्राम पंचायत की एक निश्चित आय सुनिश्चित करने के लिए पंचायत प्रतिनिधि और ग्राम पंचायत सचिव निरंतर कार्य करें। जून माह में आयोजित की जाने वाली ग्राम सभाओं में जिन विषयों को चर्चा और निर्णय के लिए रखा गया है उनमें ग्राम पंचायतों के पिछली तिमाही में आय व्यय के ब्यौरे शामिल होंगे। जल सरंक्षण अभियान आवा पानी झोंकी को और ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायतों को जनभागीदारी से कम से कम चार सोख्ता गढढ़ों के निर्माण कराए जाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। साथ ही महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक परिवारों के द्वारा कार्य की मांग और उन्हे उपलब्ध कराए गए रोजगार और प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतर क्रियान्वयन पर समीक्षा की जाएगी। सामाजिक सहायता के तहत ग्राम पंचायतों में हितग्राहियों को प्रदाय किए जा रहे पेंशन योजना का सामाजिक अंकेक्षण और सत्यापन कार्य, खाद्यान्न योजना के तहत वितरित होने वाले चावल वितरण आदि पर चर्चा, संबंधित पात्र हितग्राहियों के नामों का वाचन भी किया जाएगा।

ग्राम पंचायत स्तर पर ही जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए जाने एवं विवाह पंजीयन की कार्यवाही हेतु लंबित आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही की जाएगी। मौसमी बीमारियों से बचाव और निदान की जानकारी प्रदान करते हुए पंचायत के पूर्व पदाधिकारियां से बकाया राशि वसूली की कार्यवाही भी इन ग्राम सभाओं में की जाएगी। ग्राम पंचायतों में आवारा पशुओं के मालिकों पर छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम १९९३ के तहत जुमार्ना आरोपित करने के साथ ही पशुओं के व्यवस्था पर चर्चा कर निदान के तरीके भी प्रस्तावित किए जाएगें। समस्त शासकीय परिसरों में एक बेटी संग पांच पौधे रोपे जाने की कार्यवाही भी ग्राम सभाओं में प्रस्तावित की जाएगी साथ ही समस्त शैक्षणिक संस्थाओं आगनबाड़ी महतारी सदन, पंचायत भवन, गौठान, मुक्तिधाम, अमृत सरोवर तटों के अतिरिक्त सड़कों के किनारे और सामुदायिक भवनों के आस पास पौधरोपण और उनकी सुरक्षा के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा जारी निदेर्शों के तहत जून माह की ग्राम सभाओं में पोषण अभियान की प्रगति के साथ ही मादक पदार्थों के रोकथाम, नशामुक्ति हेतु कार्यक्रम आयोजित करने और ग्राम वासियों को जागरूक करने की कार्यवाही किया जाना है। बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं अभियान को मजबूत करने और छत्तीसगढ़ राज्य को बाल विवाह मुक्त करने संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। इन सभी विषयां पर की गई कार्यवाही और पारित निर्णयों को आनलाइन पोर्टल ग्राम सभा निर्णय पर मोबाइल एप्प के माध्यम से अपलोड करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की हत्या की - मंत्री लखनलाल देवांगन

कोरिया बैकुण्ठपुर - भाजपा ने आपातकाल के ५० वर्ष पूरे होने पर विश्राम गृह बैकुण्ठपुर में प्रेसवार्ता कर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा देश में आपातकाल घोषित किए पर विस्तार से विषय रखा। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, २५ जून १९७५ की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया, यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने इस काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि, जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज ५० वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। उन्होंने कहा कि, इंदिरा गांधी ने मीसा जैसे काले कानूनों के जरिए एक लाख से अधिक नागरिकों को बिना किसी मुकदमें के जेलों में ठूस दिया, जिनमें श्री जयप्रकाश नारायण, श्री अटलबिहारी वाजपेयी, श्री लालकृष्ण आडवानी, श्री मुरली मनोहर जोशी और श्री राजनाथ सिंह सहित तमाम वरिष्ठ विपक्षी नेता, पत्रकार शामिल थे ही, लेकिन कांग्रेस शासन ने छात्रों तक को जेल में सड़ने पर मजबूर कर दिया था। इंदिरा गांधी की यही तानाशाही मानसिकता आज के कांग्रेस नेतृत्व में दिखाई देती है, आज भी कांग्रेस शासित राज्यों में पत्रकारों पर मुकदमें होते है, सोशल मीडिया पोस्ट पर गिरफ्तारी हो जाति है और एक्टिविस्टों पर पुलिस कार्यवाही होती है। प्रसेवार्ता में प्रमुख रूप से वाणिज्यकर, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष्ज्ञ शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, बसंत राय, अशोक जायसवाल, चुन्नी पैकरा, रविशंकर राजवाड़े, अनिल साहू, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल, जिला मंत्री शिव कुमारी सोनपाकर, सुनिता करें, ईश्वर राजवाड़े, शारदा गुप्ता, प्रदीप तिवारी, कृष्णावती यादव, जिला कोषाध्यक्ष रामकृष्ण शर्मा, सह कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चक्रधारी, जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला पंचातय अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, सह प्रभारी गणेश यादव, वर्षा साहू, सोशल मीडिया प्रभारी जगनारायण साहू, मंडल अध्यक्ष मैनेजर राजवाड़े, सुरेश सिरदार, दीपा विश्वकर्मा, मुन्नाराम चक्रधारी, रीता यादव, रमन गुप्ता, रवि त्रिपाठी, संजय चिकनजूरी, , सुभाष साहू, राकेश पैकरा, रामलखन यादव, सच्चिदानंद द्विवेदी, दिनेश यादव, राजाराम राजवाड़े, मनोज साहू, धर्मवती राजवाड़े, संगीता गुप्ता, रमेश तिवारी, हितेश सिंह सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

फरार अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा, 101 वारंटी चढ़े हत्थे

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर कोरबा पुलिस ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में चलाए गए सघन वारंट तामिली अभियान के तहत कोरबा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल १०१ फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें १२ स्थायी वारंट एवं ८९ गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। यह व्यापक अभियान जिले के सभी थानों और पुलिस चौकियों में एक साथ संचालित किया गया, जिसमें थाना उरगा, कोतवाली, बालको, पाली, दर्री, करतला, हरदीबाजार, कुसमुंडा, दीपका, बांकीमोंगरा, सिविल लाइन, रामपुर, कटघोरा, बांगो तथा चौकी कोरबी, जटगा, मोरगा, मानिकपुर और सीएसईबी क्षेत्र शामिल रहे। उरगा, बालको और बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र ने इस अभियान में सर्वाधिक वारंट तामील कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। पुलिस की इस कार्यवाही से फरार अपराधियों में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी ने अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और न्यायालय में प्रस्तुत करने की यह प्रक्रिया भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस का यह अभियान जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक ठोस पहल है।कोरबा पुलिस अपराधमुक्त समाज के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है, और कानून से भागने वाले अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जागृति, संवाद, डान, साथी और आशा योजनाओं पर जिला न्यायालय में कार्यशाला आयोजित

हाशिए पर मौजूद वर्गों तक न्याय और सुविधा पहुंचाने की पहल, सभी विभागों को मिली जिम्मेदारी

कोरिया बैकुंठपुर - राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय योजना २०२५ के अंतर्गत जागृति, संवाद, डान, साथी और आशा योजनाओं पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायालय, बैकुण्ठपुर के सभागार कक्ष में किया गया।

यह कार्यशाला प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो. रिजवान खान के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के हाशिए पर रहने वाले कमजोर वर्गों जैसे आदिवासी, विमुक्त व घुमंतू जनजातियों, नशा पीड़ितों, बाल विवाह की शिकार बच्चियों और निराश्रित बच्चों को न्याय एवं आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित कराना है।

सभी विभागों को मिली अहम भूमिका - इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर एक संयुक्त यूनिट का गठन किया गया है। इसमें कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत व नगर पालिका के सीईओ, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण इकाई, किशोर न्याय बोर्ड, एलएडीसीएस अधिवक्ता, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों सहित मनोचिकित्सक और औषधि नियंत्रण अधिकारी को शामिल किया गया है।

कार्यक्रम में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी, कलेक्टर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर डी.के. राहूल वेंकट, पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे, पुलिस अधीक्षक मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर चन्द्रमोहन सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती साक्षी दीक्षित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यायपालिका की पहल को मिलेगा प्रशासनिक सहयोग - कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री खान ने कहा कि 'इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना है। सभी विभागों को एक मंच पर लाकर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। इस दौरान दोनों जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों ने योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अम्बिकावाणी
बैकुण्ठपुर बुधवार 25 जून, 2025

ध्यान देने की कमी से त्रुटियां होती हैं वह तनाव पैदा होता है।
0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती

यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आतंकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई।

उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही एयर फील्ड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे। पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे।

जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने के मामले में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। जैसा कि उन्होंने विदेशी मीडिया के समक्ष न सिर्फ भारत का रुख स्पष्ट किया बल्कि उन संदेहों को भी साफ किया जो पाकिस्तान जानबूझकर फैला रहा है।

दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ ? का अपना इरादा डंके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दशार्ने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगले झांकते नजर आते हैं।

यूरोप के दौरे पर गए वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकिचाएंगे नहीं।

अतुल्य भारत, अजेय भारत: मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरूप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड ? की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड ? के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए। यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र 'स्वइ को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया। पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं। भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था। इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं - इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा। पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। 'एक विरासत अपनाएँइ योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक र प्रतिशत के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। भारत में विवाह, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया।

माँ की शक्ति, बच्चों का भविष्य : योग से बदलता परिदृश्य

मतीअन्नपूर्णा देवी

चाहे वह बोर्डरूम हो या युद्धभूमि –मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त महिलाएँ ही बदलाव की वाहक होती हैं; महिलाओं के लिए अपनी वास्तविक शक्ति को पहचान कर उसे विकसित करना अत्यंत आवश्यक है, और योग इसकी कुंजी है। योग की जन्मस्थलीभारत में आज भी इस प्राचीन जीवनशैली को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के पोषण के लिएएक दार्शनिक पद्धति के रूप में स्वीकारकियाजाता है।भगवद्गीता (अध्याय 2, श्लोक 50) में कहा गया है- योगः कर्मसु कौशलम्,अर्थात 'योग कर्मों में कौशल है।'

भगवान श्रीकृष्ण कास्पष्टसंदेश है कि-सच्चायोग शारीरिक आसन या ध्यान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात में परिलक्षित होता है कि हम अपने दैनिक कर्तव्यों को कितनी कुशलता और ध्यानपूर्वकनिभाते हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि योग में परिवर्तनकारी क्षमता है, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और बच्चों के पोषण में, जो हमारे समाज की नींव हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग ने वैश्विक मंच पर एक कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पहचान प्राप्त की है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में 21 जून कोअंतरराष्ट्रीय योग दिवसघोषित कियागया, जो भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता सिद्धकरता है।

इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम,एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योगहैद्य जोकि योग की सर्वसमावेशी और सार्वभौमिक अपील को रेखांकित करती है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी इस बात पर जोर दिया है कि योग किसी कॉपीराइट, पेटेंट या रॉयल्टी से मुक्त है। यह लचीला है – आप इसे अकेले,समूह में, गुरु से या स्वयं भी सीख सकते हैं।जैसे-जैसे हमारा राष्ट्रविकसितभारतबननेकी दिशा में अग्रसर हो रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि योग को महिलाओं और बच्चों के जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए।

भारत की कुल आबादी में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो-तिहाई है, और वे स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। अतः उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सबका कर्तव्य है, और योग की इसमें महत्वपूर्णभूमिका है। योग महिलाओं के लिए मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टिसे अनेक लाभ प्रदान करता है। यह हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है, और मांसपेशियों एवंहड्डियों को मजबूत बनाताहै। विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुसार योग एक समग्र और प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

योग को अपनाकर महिलाएँगर्भावस्था से पूर्व औरबाद केपरिवर्तनशीलसमय की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करनेमेंसक्षमबनतीहैं। प्रसवपूर्व योग, अपने विशेष आसनों और ध्यान तकनीकों के साथ, गर्भावस्था की परेशानियों को कम करता है, दर्द प्रबंधन में सहायता करता है, और ऊर्जा को बढ़ाता है। यह गर्भवती माताओं को शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रसव के लिए तैयार करता है। प्रसवोत्तर योग, स्तनपान कराने वाली माताओं को उनकी रिकवरी, भावनात्मकसहायता, स्तनपान को बढ़ावा देने और माँ-बच्चे के रिश्ते को मजबूत करने में मदद करता है। महिलाओं में योग के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए, भारत में 25 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक सशक्त नेटवर्क है, जो योग को महिलाओं और बच्चों के दैनिक जीवन में अपनाने के लिए जानकारी, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की वकालत की है। वे कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व बैंक का यह अनुमान है कि महिला श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि से भारत के औद्योगिक उत्पादन में 9 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है और 2047 तक हम एक उच्च आय वाले विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह सब तभी हासिल किया जा सकता है जब हमारे पास शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ महिला कार्यबल हो।

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, बच्चे भी जीवनशैली संबंधी विकारों, स्क्रीन पर निर्भरता और शैक्षणिक दबावों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। योग इन चुनौतियों के लिए साक्ष्य-आधारित, समयबद्ध और सांस्कृतिक रूप से निहित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह एकाग्रता, याददाश्त बढ़ाने, भावनात्मक विनियमन, नींद की गुणवत्ता और तनाव के प्रबंधन को बेहतर करता है - जो समग्र बचपन के विकास के प्रमुख घटक हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से, हमारा मंत्रालय योग को बच्चों की प्रारंभिक देखभाल और विकास में शामिल कर रहा है, जो आजीवन स्वास्थ्यवर्धक आदतों की नींव रख रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक बहुआयामी रणनीति के अंतर्गतयोग को महिलाओं और बच्चों के जीवन के अभिन्न अंग के रूप में अपनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

व्यवस्थापिका और न्यायपालिका आमने सामने, संविधान की अनुच्छेद 368 पर मतभेद

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि द्वारा तमिलनाडु सरकार द्वारा पेश और विधानसभा द्वारा पारित 10 बिलों को स्वीकृत करने में देरी को लेकर हफ्ते भर पहले सरकार की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई और सभी लंबित बिलों को खुद ही स्वीकृत कर दिया। इस याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राज्यपालों को लपेटे में लेकर कहा उन्हें किसी पार्टी विशेष के लिए कार्य नहीं करना चाहिए।दूसरा उदाहरण वक्फ संशोधन विधेयक संबंधी याचिका में सुनवाई कर दो अंतरिम आदेश दिए।इन दोनों घटनाओं से लुटियन्स में बबाल आ गया है।इसे व्यवस्थापिका और न्यायपालिका में भीषण टकराव के रूप में देखा जा रहा है। सबसे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय संसद से पारित ओर राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद कानून में बदलाव नहीं कर सकती न ही रोक सकती ।अब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सर्वोच्च न्यायालय को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि संविधान की अनुच्छेद 368 संसद को कोई भी कानून बनाने का अधिकार देती है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद सर्वोपरि है। दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय की जू भी नहीं रेंग रही है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने तो जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से बरामद अद जले नोटो के मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराने वाला मामला भी उठाया। सीजेआई संजीव खन्ना 13 मई 26 को रिटायर हो रहे हैं और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक की सुनवाई 05 मई को है ।ऐसे में अगर कोई आदेश वक्फ संशोधन विधेयक याचिका में पारित हुआ तो केंद्रीय सरकार की किरकिरी होना तय है। केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 में सर्वोच्च न्यायालय की 13 जजों वाली संविधान पीठ ने 7-6 के बहुमत से आदेश जारी किया था कि संसद कानून बना सकती है, संशोधन कर सकती है लेकिन मौलिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। संविधान के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यवस्थापिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीन अंग हैं व्यवस्थापिका के मुखिया राष्ट्रपति है ,जबकि न्यायपालिका के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और प्रधानमंत्री कार्यपालिका के प्रमुख हैं।तीनों संस्थानों के अलग अलग कार्य हैं जिनमें कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति जबाब देय है। न्यायपालिका स्वतंत्र है। आजादी के बाद 26/01/1950 को संविधान बना और भारत गणराज्य बना। लेकिन जब तब व्यवस्था और ज्यूडिशियल की अप्रत्यक्ष लड़ाई विभिन्न मुद्दों पर देखने को मिलती है।

0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1360

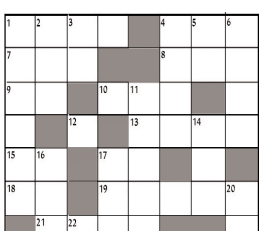

1	2	3		■	4	5	6
7			■	■	8		
9		■	10	11		■	
	■	12	■	13		14	
15	16	■	17		■		■
18		■	19				20
■	21	22			■	■	
23			■	■	24		

संकेत: बाएं से दाएं
1. थाईलेंड में रामायण का यह थाई वर्जन है जो इस नाम से जाना जाता है (4)
4. लावा का ठंडा होकर ठोस टुकड़ों में बदलने की क्रिया यह कहलाती है (3)
7. आक्रमण, चढ़ाई, वार करने की क्रिया या भाव (3)
8. स्थिति, दशा, अवस्था (3)
9. जल नित्तल, तलवा, निम्न भाग (2)
10. अज्ञान अधिकार, तमोगुण, भीष्म साहनी का एक चर्चित उपन्यास (3)
12. शास्त्रीय संगीत में पंचव स्वर (1)
13. मवेशी, ढोर, पशु (4)
15. उन्नति या वैभव के दिन, बढती का समय, अभ्युदय काल (2)
17. शरीर के संवेदी अंगों में से एक, नासिका (2)
18. रस्म, प्रथा, रिवाज, निमय (3)
19. इधर-उधर, कोने-कोन में (5)
21. नाना का पिता यह कहलाता है (4)
23. लिपिक, लिखने वाला, लेखक (3)
24. युवावस्था, तारूर्ण्य (3)

ऊपर से नीचे
1. वर्तमान दौर यह शाहर मूलतः, इंदौर का निवासी है (6)
2. कोई गूढ़ बात, माजरा, मुकदमा (3)
3. दुर्ग, कोटा, फोर्ट (2)
4. राजा या देवता के बैठने का आसन (4)
5. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
6. कुछ लाल या सुर्खी लिए हुए (4)
11. मनोरंजन करना, आमोद-प्रमोद करना (5)
14. मौजूदगी, विद्यमानता (3)
16. रति के पति होने के कारण कामदेव का एक नाम, मदन, मनोज (4)
17. ध्वनि करना, बजाना, घनकना (3)
20. सितार की तरह का एक वाद्य (3)
22. प्रभु, परमेश्वर (2)

वर्ग पहेली 1359 का हल

ज	मू	क	श्मी	र	■	सं	ग
यं	■	म	■	सा	म	वे	द
त	स्वी	र	■	य	■	द	र
■	इ	■	अ	न	म	ना	■
अ	न	ब	न	■	हे	■	सु
फ	■	ल	व	कु	श	■	न
सो	म	वा	र	■	■	मा	सा
स	■	न	त	■	पा	ल	न

एकदा

सर्वोच्च न्यायालय वक्फ बोर्ड संशोधन कानून की सुनवाई में सतर्क, और दो अंतरिम आदेश जारी किए

सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना की अध्यक्षता वाली खंड पीठ ने नवीनतम वक्फ बोर्ड कानून के दो बिंदुओं को जस का तस रखने के आदेश जारी किए हैं जिसमें वक्फ बाय यूजर मुस्लिम धर्म की संपत्तियों को डिनोटिफाइड नहीं करने के आदेश दिए हैं जो 1991के वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के अनुसार रहेंगे ।दूसरे यूडब्ल्यूएमआईआईडी यानि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2025 के अनुसार राज्य वक्फ बोर्ड या केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नियुक्ति अगली सुनवाई 05 मई तक नहीं करेगी ।यह आदेश सर्वोच्च न्यायालय की ओर से भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को नोट कराए गए। याचिकाकर्ता मनोज झा, असुद्दीन उवैसी,इमरान मसूद,तथा अन्य याचिकाकर्ता सहित 77 याचिका दायर की गई है।

इस मामले में उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय संसद के बनाए कानून को रोक नहीं सकती है। उल्लेखनीय है याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 26 धार्मिक स्वतंत्रता का हवाला देकर न्यायालय से यह मांग की है कि मुसलमानों के धार्मिक रीति रिवाज और वक्फ संपत्तियों को

देख भाल करने के लिए बनी समितियों, बोर्डों, परिषद में गैर मुसलमान की नियुक्ति करना संविधान की अनुच्छेद 26 के खिलाफ है।

0 अजय दीक्षित

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

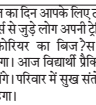

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपका मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकता है, जिसे सामने देखकर आपको यकीन नहीं होगा, मित्र से कुछ निजी समस्याओं पर बात करके आपको हल्का महसूस होगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज?स कर रहे कारोबारियों को आज फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे। परिवार में सुख संतोष बढ़ेगा, स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में आपकी तारीफ होगी और आपके काम करने की स्किल को सराहना मिलेगी। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढि ?ा साबित होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा।

कन्या राशिः आज आप अपने दिन की शुरूआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन रिलैक्स से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको खुशी होगी। आज आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन बढि ?ा रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज किसी काम में आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है, इसलिए शाम को थकान रहेगी। आज कार्य स्थल पर आपकी मुलाकात ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे मिलकर आपको अच्छा लगेगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा 7 कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में कोई नया काम भी सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी,

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम को करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

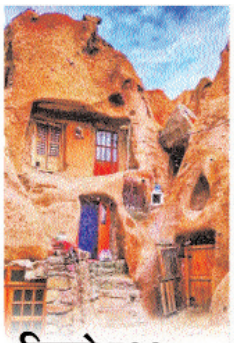

पिछले 700 सालों से घोंसलों में रह रहे हैं इस गांव के लोग

हर किसी का सपना अच्छे और आलीशान घर में रहने का होता है. हर कोई चाहता है उसका अपना घर हो तथा उसमे खूब सारी जगह हो. हर कोई चाहता है कि उसका अपना घर ऐसी जगह हो जहां हरियाली हो तथा वहां सूरज की रोशनी आती रहे. जिससे कि वह अपने घर में सुकून से रह सके. हालांकि इस धरती पर एक ऐसा गांव है. जहां के लोग पिछले 700 सालों से घर में नहीं बल्कि घोंसले में रहते हैं. यह घर एकदम चिड़ियों के घोंसलों की तरह दिखता है. आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि ये लोग एक दो साल से नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों से ऐसे घरों में रह रहे हैं. ऐसा गांव ईरान में है. ईरान के कदोवन गांव के लोग घोंसलानुमा घरों में रहते हैं. अपनी अजीबोगरीब परंपरा के लिए ये गांव और यहां रहने वाले लोग दुनियाभर में मशहूर हैं. इस गांव के लोग पक्षियों की तरह घोंसले बनाकर रहते हैं. आप भले ही इन घरों को आम घर समझते हैं, लेकिन इस घर की खासियत जानकर आप हैरान रह जाएंगे.

इस घर में सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडी रहती है.

ये घर देखने में भले ही अजीब लगें, लेकिन रहने में काफी आरामदायक है. यह गांव 700 साल पुराना है. यहां रहने वाले लोग न हीटर का इस्तेमाल करते हैं, न ही एसी का इस्तेमाल करते हैं. यहां गर्मी के मौसम में ठंडी रहती है, जबकि सर्दी में गर्मी रहती है. अब आप सोच रहे होंगे कि इन घरों का निर्माण कैसे और क्यों हुआ? यहां रह रहे लोगों के पूर्वजों ने मंगोलों के हमलों से बचने के लिए ये घर बनाए थे. कदोवन के प्रारंभिक निवासी यहां हमलावर मंगोलों से बचने के लिए आए थे. वे छिपने के लिए ज्वालामुखी चट्टानों में ठिकाना खोदा करते थे तथा वहीं उनका स्थायी घर बन जाता था. दुनियाभर में यह गांव अपने अनोखे घरों के लिए जाना जाता है.

ब्राजील के फर्नांडो डी नोरोन्हा द्वीप समूह पर हर दिन 420 लोगों को ही जाने की है इजाजत

ब्राजील के फर्नांडो डी नोरोन्हा द्वीप समूह के सफेद रेत वाले तटों और हरे-भरे पहाड़ी जंगलों तक सभी नहीं पहुंच सकते। यहां आने की चाहत रखने वालो की कमी नहीं है, लेकिन रोजाना सिर्फ 420 मेहमानो को ही फर्नांडो डी नोरोन्हा आने की इजाजत मिलती है। ब्राजील के उत्तर-पूर्वी तट से साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर स्थित इन 21 खूबसूरत द्वीपों के तीन चौथाई हिस्से को 1988 में संरक्षित राष्ट्रीय समुद्री वन एवं अभयारण्य घोषित किया गया था। मुख्य द्वीप 28.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मे फैला है। इसका निर्माण ज्वालामुखीय चट्टानों से हुआ है। इसके आसपास 20 छोटे द्वीप हैं। ये द्वीप हमेशा ऐसे नहीं थे। 16वीं सदी में इसे सबसे पहले पुर्तगाल के समुद्री यात्री फर्नांडो डी नोरोन्हा ने खोजा था। डच और पुर्तगाल दोनो देशों की सेनाएं इसका इस्तेमाल करती थीं, लेकिन 1700 ईस्वी के आसपास इसे जेल में बदल दिया गया था। 20वीं सदी के मध्य तक यहां के मुख्य द्वीप का इस्तेमाल कैदखाने की तरह होता था जहां ब्राजील के सबसे खतरनाक अपराधियों को रखा जाता था। कातिलों, चोरो, बलात्कारियो और राजनीतिक कैदियो को सजा काटने के लिए इस द्वीप पर भेजा जाता था। इतिहासकार ग्रेजिले रोड्रिग्स कहती हैं, लोग फर्नांडो डी नोरोन्हा आते हैं जन्नत के एक हिस्से पर जश्न मनाने के लिए, लेकिन किसी जमाने पर यह बेरहम अपराधियों की जगह होती थी। फर्नांडो डी नोरोन्हा को अब भी एकांत की जगह माना जाता है, हालांकि अब यह उतना अलग-थलग नहीं है जितना पहले कभी हुआ करता था। रोड्रिग्स कहती हैं, 1822 में जब ब्राजील ने पुर्तगाल से आजादी का एलान किया तो इस द्वीप के लोगों को उसके बारे में दो साल बाद पता चला। जन्नत जैसी खूबसूरती के लिए मशहूर इस द्वीप को ब्राजील के लेखक गैस्टाओ पेनाल्वा ने फोरा डो मुंडो कहा था, जिसका मतलब है इस दुनिया से बाहर। फर्नांडो डी नोरोन्हा को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया है। ब्राजील तट से दूर यह एकमात्र द्वीप है जहां आबादी रहती है।

रोड्रिग्स कहती हैं, आज की तकनीक और इंटरनेट होने के बावजूद यह एक दूर की जगह है। मेरे परदादा यहां 1946 में आए थे। जब उन्होंने लोगों को इस बारे में बताया तो उन्होंने कहा था- क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है? क्या तुम वहां जहां जा रहे हो जहां कुछ भी नहीं है, जो शापित है? अलग-थलग होने के कारण ही 18वीं सदी से लेकर 20वीं सदी तक इस द्वीप का इस्तेमाल कैदखाने की तरह होता रहा। अच्छे चाल-चलन वाले कैदी अपने परिवार वालों को भी यहां भेजने की गुजारिश कर सकते थे। वे आम कैदियो के सेल से अलग रहते थे। यहां की जेल 1957 में बंद कर दी गई, लेकिन कुछ पूर्व कैदी यहा से कभी वापस नहीं गए। उन्होंने इस द्वीप को ही घर बना लिया जहां आज भी उनके वंशज रहते है। फर्नांडो डी नोरोन्हा आने वाले मेहमान आज भी उस कैदखाने के खंडहरों को देख सकते है, जिन पर अब हरी बेलो ने कब्जा जमा लिया है।

डोमिको आल्वेस कोर्डीरो और डेविड आल्वेस कोर्डीरो सगे भाई हैं। वे इस द्वीप के सबसे पुराने और बुजुर्ग बाशिंदे हैं। उनका जन्म इसी द्वीप पर हुआ था। उनके पिता ने 20वीं सदी की शुरुआत में यहां सजा काटी थी और फर्नांडो डी नोरोन्हा में ही जेल अधिकारी बनकर रह गए। पुराने एलबम को पलटते हुए डोमिको कहते हैं, मेरे पिता एक अपराधी थे और उनको नोरोन्हा भेजा गया था। मेरे दादाजी के खेत थे इसलिए उनको यहां चरवाहे का काम करने के लिए भेजा गया था। कैदी यहां सूरज निकलने से लेकर शाम ढलने तक काम करते थे। जहाजों के रुकने और माल चढ़ाने-उतारने के काम आने वाले सभी तटों पर पहरा होता था। कैदी उन समुद्र तटो पर नहीं जा सकते थे। उनमे से कुछ जेल के मछुआरे होते थे। बाकी कैदी मछुआरे नहीं होते थे, जैसे मेरे पिता। लेकिन उनको मछली पकड़ना अच्छा लगता था। कैदियों और उनके परिवार वालों को द्वीप पर होने वाली गतिविधियों में शरीक होने के लिए इजाजत लेनी पड़ती थी। डेविड आल्वेस कोर्डीरो कहते हैं, जब मैं सात साल का था तब मैंने उनके साथ पहली बार मछली पकड़ी थी। उन दिनों मैं खुद से तट तक नहीं जा सकता था। आज डेविड को लगता है कि आजाद इंसान के लिए नोरोन्हा से बेहतर जगह दूसरी कोई नहीं है।

मायरा फ्लोर भी यहीं रहती हैं। इन दिनों वह गर्भवती है और समुद्र तट पर टहलने आई हैं। इस द्वीप पर कोई मैटर्निटी हॉस्पिटल नहीं है इसलिए उनको बच्चे को जन्म देने के लिए ब्राजील के मेनलैंड जाना होगा। मेरा परिवार यहां के सबसे बड़े और पुराने परिवारों में से एक है। मेरी दादी के भाई यहां सेना के लिए काम करने आए थे। कुछ दिनों बाद मायरा की दादी और दादा भी अपने बच्चो के साथ यहां चले आए। मायरा को यहां की शांति सबसे अच्छी लगती है। यहां कोई ट्रैफिक नहीं है। यहां मुझे दूसरी जगहों की तरह दो घंटे के लिए ट्रैफिक में नहीं फंसना पड़ता।

यह द्वीप अटलांटिक महासागर में बड़े ही रणनीतिक महत्व का है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने यहां अपना सैनिक अड्डा बनाया था। नोरोन्हा के चारो ओर पन्ने जैसी चमकदार गर्म पानी है, जहां झींगा मछलियां, कछुए, उष्णकटिबंधीय मछलियां और डॉल्फिन बहुतायत में मिलती हैं। नोरोन्हा ब्राजील की सबसे पसंदीदा जगहों मे से एक है और इसे दक्षिण अमेरिका में डाइविंग और सर्फिंग के लिए सबसे अच्छी जगह माना जाता है। ग्रेजिले रोड्रिग्स कहती हैं, नोरोन्हा दूरदराज की जगह है, फिर भी सुकून के लिए यहां रहना खास है। मायरा को भी लगता है कि यदि उनको कहीं और रहना पड़ता तो वह नोरोन्हा की खूबसूरती को मिस कर देती। मैं जानती हूं कि धरती पर कई खूबसूरत जगहें हैं लेकिन मुझे इससे सुंदर दूसरी कोई और जगह नहीं लगती।

इंग्लैंड के जंगलों में दुनिया का पहला ओपन थिएटर

इग्लैंड के साउथवॉल्ड के जंगलों में दुनिया का पहला ओपन थिएटर बन रहा है, जो इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। पूरी तरह से लकड़ी से तैयार हो रहे इस थिएटर में 350 लोगों की क्षमता होगी। यहां दिन में पेड़ों की छाया और रात में खुले आसामान के नीचे कार्यक्रम किए जा सकेंगे। इसे खासतौर से पर्यावरण प्रेमियों के लिए ही तैयार किया जा रहा है। यहा थिएटर आर्टिस्ट अपनी अदाकारी दिखाएंगे। साथ ही समय समय पर पर्यावरण के लिए पेड़ों के महत्व को भी समझाएंगे। इस थिएटर का नाम द थोरिंगटन थिएटर रखा गया है। यहां नाटक और म्यूज़िकल कान्टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। इस थिएटर को बनाने वाले चार्लोट बान्ड ने बताया कि इस थिएटर को बनाने में किसी तरह के पेड़ का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यहां दो बम गिरे थे, जिसकी वजह से यहां गड्ढा बन गया है और ज्यादा पेड़ न होने के कारण उन्हें थिएटर के लिए जगह मिल गई।

आखिर क्यों ट्रेन के पीछे X का निशान होता है?

X का मतलब होता है कि यह ट्रेन का आखिरी डिब्बा है और ट्रेन के आखिरी डिब्बे पर X के साथ एलवी लिखने का मतलब होता है 'लास्ट व्हीकल'। अगर आप ध्यान देंगे तो एलवी हमेशा एक्स के निशान के साथ लिखा होता है। अगर किसी ट्रेन के पीछे यह निशान नहीं बना होता है, तो इसका अर्थ होता है कि कोई डिब्बा ट्रेन से अलग हो गया है। जिस कारण दुर्घटना होने के सम्भावना ज्यादा रहता है इसलिए दुर्घटना को रोकने के लिए यह निशान बनाया गया है। आपने जरूर देखा होगा की रेलवे क्रोसिंग पर गार्ड ट्रेन को हरी झंडी दिखाता है साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करता है कि ट्रेन के लास्ट डब्बे में X का निशान बना हो। रात के समय ये सुनिश्चित करने के लिए क्रोस के निशान के नीचे एक लाल बत्ती लगी होती है जिसे देख कर रात में भी अंदाजा लगाया जाता है कि ट्रेन सेफ है।

लोंगवा गांव क्यों है अनोखा?

भारत एक ऐसा देश है जहां के लगभग हर गांव में आपको कुछ अलग रिवाज या कुछ रोचक तथ्य जानने को मिलेंगे। जैसे-किसी गांव में सांप की पूजा होती है, किसी गांव में सिर्फ पुरुष ही खाना बनाते है तो कोई गांव काला जादू के लिए जाना जाता है।

भारत में एक ऐसा ही गांव है जिसका नाम है लोंगवा। इस गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग खाते हैं भारत में और सोने के लिए दूसरे देश मे पहुंचते हैं। इस लेख में आपको भारत के लोंगवा गांव के बारे में कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लोंगवा गांव कहां है?

इस अनोखे गांव के बारे में बताने से पहले यह जान लेते हैं कि यह कहां है। आपको बता दे कि यह गांव भारत के नागालैंड और म्यांमार की सीमा पर स्थित है। नागालैंड के मोन जिले में स्थित यह गांव भारत का आखिरी गांव भी माना जाता है। (गुजरात में है अफ्रीकी गांव)

इस अनोखे गांव के बारे में एक नहीं बल्कि कई रोचक तथ्य है। कहा जाता है कि सीमा पर होने के चलते इस गांव का आधा हिस्सा भारत में पड़ता है और आधा हिस्स म्यांमार में पड़ता है। इसके अलावा लोंगवा गांव के बारे में कहा जाता है किसी-किसी घर का किचन भारत में स्थित है और सोने के लिए म्यांमार में जाते हैं। यही नहीं भारत के कुछ लोग खेती करने म्यांमार में जाते हैं तो कुछ म्यांमार से भारत में खेती करने आते हैं।

क्या सच में इस गांव के मुखिया की 60 पत्नियां हैं?

इस अनोखे गांव के बारे में अगर सबसे अधिक कुछ चर्चित है तो वो है इस गांव का मुखिया। कहा जाता है कि इस गांव का जो व्यक्ति मुखिया है उनकी 1-2 या 3 नहीं बल्कि 60 पत्नियां हैं। इस मुखिया के बारे में यह भी बोला जाता है कि नागालैंड के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के लगभग 70 से अधिक गांवों में उनका प्रभुत्व है।

क्या इस गांव के लोग म्यांमार की सेना में शामिल हैं?

लोंगवा गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग भारतीय सेना के साथ-साथ म्यांमार की सेना में भी शामिल है। सीमा पर मौजूद होने के बाद कई लोगों के पास दोनों ही देशों में रहने का निवास स्थल है जिसके चलते सेना में शामिल होते रहते हैं। हालांकि, इस गांव के बारे में एक विचित्र कहानी भी है कि इस गांव के लोगों में खोपड़ी पहने का रिवाज है जिसे देखने के बाद एक आम व्यक्ति डर जाता है। आपको बता दें कि इस गांव में घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगहें भी हैं।

कांग्रेस की फूट पर बोले भरत, कहा - भूपेश बघेल कांग्रेस के कार्यकताओं के दुश्मन बने हुए है

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भरतलाल वर्मा ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के सामने ही कांग्रेस की अंदरूनी कलह के खुलकर सामने आने पर कहा है कि आज छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की लगातार हो रही दुर्गति से सबक लेने के बजाय कांग्रेस के लोग आपसी सिर-फुटौव्वल में लगे हुए हैं। श्री वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत को लेकर की गई शिकायत पर भी कटाक्ष किया। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बघेल ने जिस तरह से अपनी शिकायत में बैज और महंत को निष्क्रिय बताने का काम किया, उससे यह साफ हो चला है कि आज भी बघेल का घमंड गया नहीं है, वह अपने आपको ही सब कुछ समझते हैं। बघेल ने यह भी कहा कि उनके (बघेल के) लिए जिन कार्यकताओं ने उल्टा-सीधा बोला, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

न्यूज गैलरी

विश्वास, विकास और सहयोग की मिसाल बना धरती आबा अभियान

कोरिया जिले में आदिवासी ग्रामों में शिविरों के माध्यम से योजनाओं का लाभ

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी कर रहीं सतत निगरानी

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में भी आदिवासी जनजीवन को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए च्धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानज् की शुरूआत १५ जून से हो गई है। इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदायों तक शासन की मूलभूत योजनाओं और सेवाओं को सीधे पहुंचाना है।

अभियान के तहत सोनहत और बैकुंठपुर विकासखंड के १५४ ग्रामों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जहां १७ विभागों की लगभग २५ योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। इनमें जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य परीक्षण और शिक्षा संबंधी सहायता प्रमुख रूप से शामिल हैं।

कलेक्टर कर रहीं स्वयं निगरानी - कोरिया कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी स्वयं शिविरों की सतत मॉनिटरिंग कर रही हैं और अधिकारियों से प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पहुँचे।

हितग्राहियों में उत्साह और विश्वास - अभियान के चलते कई आदिवासी परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने लगा है, जिससे समुदाय में आशा और विश्वास का संचार हुआ है। शिविरों में लोगों की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रशासन के प्रयासों को बल दे रही है।

प्रतिभा की कमी नहीं, जरूरत है अवसरों की - कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा, 'जिले के आदिवासी बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें सही अवसर देने की। धरती आबा अभियान इसी सोच का सशक्त माध्यम है।' उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार के निर्देश और राज्य शासन के मार्गदर्शन में यह अभियान सामाजिक समावेशन और विकास को साकार कर रहा है। धरती आबा अभियान न सिर्फ योजनाओं को जमीन तक पहुंचा रहा है, विश्वास, विकास और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ कर रहा है। यह पहल कोरिया जिले को जनसरोकारों की दिशा में एक नई पहचान दे रही है।

लेखापाल शंकर राव का निधन

मनेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय मनेंद्रगढ़ में लेखापाल के पद पर कार्यरत शंकर राव का मंगलवार की सुबह बिजुरी रेलवे स्टेशन में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और नागपुर से इलाज कराकर ट्रेन से वापस अपने घर मनेंद्रगढ़ लौट रहे थे। उनका अंतिम संस्कार आमाखेरवा स्थित मुक्तिधाम में किया गया जहां परिजनों सहित नपा कर्मचारियों एवं नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विज्ञापन

बैकुंठपुर स्थित फर्म ₹श्री नरेंद्र कमर्शियल₹
डिस्ट्रीब्यूटर - M.D.H. मसाले को सेल्स Representative (S.R.) की अतिशीघ्र आवश्यकता है,
* S.R. की नियुक्ति M.D.H. मसाले के कंपनी पे-रोल पर रहेगी।
* सैलरी - योग्यतानुसार
* बायो डाटा के साथ अतिशीघ्र सम्पर्क करें,
* स्थानीय युवकों को वरीयता

पता - "श्री नरेंद्र कमर्शियल" मिश्रा काम्प्लेक्स, भांड़ी, मेन रोड, बैकुंठपुर जिला कोरिया (छत्तीसगढ़)
संपर्क नंबर - 9340945160, 8889909241

ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी तथा मास्टर ट्रेनरों ने दिया प्रशिक्षण

कोरिया बैकुंठपुर। राज्य शासन द्वारा शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक कारगर बनाने की दिशा में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की जा रही है। राज्य स्तर पर यह प्रणाली सफलतापूर्वक निष्पादित की जा रही है। जिला स्तर पर इसके क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कोरिया जिले में डिजिटल कार्य प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिला पंचायत कोरिया के मंथन कक्ष से आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले में कार्यरत सभी विभागों के कार्यालयीन कर्मचारी शामिल हुए। यह प्रशिक्षण जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री सुखदेव पटेल और राज्य से आए कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के संबंध में सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि समस्त शासकीय सेवकों को गंभीरता से प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता है क्योंकि आने वाले भविष्य में सभी विभागों की फाइल अब पेपरलेस होकर ई-ऑफिस के माध्यम से ही संचालित होंगी। इस प्रक्रिया से जिले में शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में ई-ऑफिस प्रणाली एक बड़ा कदम होने जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में जिले के समस्त विभागों से नामांकित प्रत्येक विभाग के दो-दो अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। विदित हो कि विभागों के जिला स्तरीय कार्यालयों में ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया अब अंतिम चरण में हैं। इसी तारतम्य में आज मंथन सभाकक्ष में जिला प्रशासन के कर्मचारियों को ई-ऑफिस के कार्यप्रणाली, उपयोगिता और तकनीकी पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान कर्मचारियों को फाइल प्रबंधन, ई-नोटिंग, ई-डिस्पैच, पत्राचार की प्रक्रिया, दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग, यूजर एक्सेस कंट्रोल और कार्य प्रवाह प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ उन्होंने लाइव डेमो के माध्यम से समझाया कि, किस प्रकार से ई-ऑफिस का उपयोग दैनिक कार्यालयीन कार्यों में किया जा सकता है। साथ ही, प्रशिक्षण में ई-ऑफिस से जुड़ी सभी कार्यप्रणालियों का एवीएम (ऑडियो-वीडियो मटेरियल) के माध्यम से प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह भी उल्लेख किया गया कि मंत्रालय स्तर पर सभी विभागों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और जिला स्तर पर भी शीघ्र ही समस्त विभागों को इस प्रणाली के अंतर्गत लाया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल प्रक्रिया के अनुरूप दक्ष बनाना और शासन की पारदर्शी, समयबद्ध एवं पेपरलेस प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करना रहा।

अपूर्ण अभिलेख वाले दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में खरीफ सीजन की शुरूआत के साथ ही किसानों द्वारा उर्वरक, बीज एवं कीटनाशकों की मांग में तेजी आई है। किसानों को समय पर उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उचित दर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप संचालक कृषि कार्यालय मनेंद्रगढ़ द्वारा जिला स्तरीय निरीक्षण टीम गठित कर केल्हारी तहसील अंतर्गत संचालित खाद एवं बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दुकानों में उपलब्ध बीज एवं खाद की गुणवत्ता की जांच हेतु नमूने लेकर प्रयोगशाला रायपुर भेजे जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान केल्हारी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, गोविंद बीज भंडार केल्हारी, नोहर यादव बीज भंडार पेंड्री तथा कैलाश गुप्ता बीज भंडार के अभिलेख अपूर्ण पाए गए। इस पर संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना जारी कर 3 दिवस के भीतर समस्त अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि कृषकों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा विक्रय प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से निगरानी की जाएगी साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि सभी विक्रेता निर्धारित दर पर ही उर्वरक एवं बीज की बिक्री करें तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या मिलावट न हो। निरीक्षण टीम द्वारा यह भी बताया गया कि गुणवत्ता नियंत्रण की यह प्रक्रिया खरीफ सीजन में लगातार जारी रहेगी, ताकि जिले के किसान उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि इनपुट प्राप्त कर सकें और उनकी फसल उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो।

जिला प्रशासन कोरिया की अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

अवैध परिवहन करते तीन वाहन जप्त

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर खनिज विभाग ने अवैध खनिज (रेत, गिट्टी) परिवहन के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए तीन वाहनों को जप्त किया है। यह कार्रवाई तहसील पटना क्षेत्र में की गई, जिसमें अवैध रूप से गौण खनिज का परिवहन करते पाए गए वाहनों को मौके पर ही जब्त कर समीपस्थ पटना थाने में अभिरक्षा में रखा गया है।

जप्त वाहनों की जानकारी - पकड़े गए वाहनों में बिना नंबर का महिंद्रा ट्रैक्टर (मालिक राकेश कुशवाहा), सोल्ड महिंद्रा ट्रैक्टर (मालिक अजय रजक), और सोल्ड एसीई ट्रैक्टर (मालिक संतोष सारथी) शामिल हैं। इन सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम २०१५ की धारा ७१ और खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम १९५७ की धारा २१ से २३ (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिला खनिज अधिकारी ने जानकारी दी है कि कलेक्टर कोरिया के निर्देशन में अवैध खनिज खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से निगरानी रखी जाएगी और नियमित निरीक्षण एवं कार्रवाई की जाएगी ताकि अवैध खनिज खनन और परिवहन को रोकना सुनिश्चित किया जा सके।

कांग्रेस ने किया नगर निगम चिरमिरी का घेराव

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में नगर पालिक निगम चिरमिरी में प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन भुगतान, पेयजल की उचित व्यवस्था, बरसात में जल निकासी की समस्या के निराकरण आदि मांगों को लेकर नगर पालिक निगम चिरमिरी कार्यालय का घेराव किया गया।

घेराव से पूर्व रैली निकाली गई। इस दौरान निगम प्रशासन हाय-हाय, भ्रष्टाचार बंद करो एवं बिजली, पानी देना होगा आदि नारे लगाए गए। कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन के द्वारा बेरीकेट्स लगाकर कांग्रेस कार्यकताओं को रोकने की नाकाम कोशिश की गई। कार्यकर्ता बेरीकेट्स को गिराकर एवं पुलिस जवानों को धकेलते हुए आगे बढ़े और निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोशित कांग्रेस कार्यकताओं ने निगम प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ठेकेदारों को पैसा धड़ाधड़ दे रहे हैं और कर्मचारियों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। यह घोर नाइंसाफी है और कांग्रेस इसे लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक चुकी है।

बिना अनुमति बैठक में अनुपस्थित सचिव व तकनीकी सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी

जनपद सभाकक्ष में विभिन्न कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम ने जनपद सभागार अमृत सदन में विभिन्न कार्यों की समीक्षा बैठक ली जिसमें सर्वप्रथम प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 तक के आवास पूर्णता की ग्राम पंचायतवार समीक्षा की गई।

सीईओ ने समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिये कि आवास निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। आवास की प्रगति में अपेक्षित परिणाम न आने की स्थिति में संबंधित तकनीकी सहायक, सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। गृह पोर्टल अंतर्गत जनपद बार समीक्षा करते हुए सभी जनपदों को 1 सप्ताह के भीतर सभी प्रविष्टियां को पूर्ण करने के निर्देश दिए। संबंधित सचिव, आवास मित्रों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने की आवश्यकता है, जो आवास मित्र सक्रिय रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं, उनको हटाने की कार्रवाई हेतु सीईओ जनपद को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत लक्षित 404 आवासों की भी समीक्षा की गई। जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ अंतर्गत बंजी, सेमरा चैनपुर एवं केल्हारी के सचिवों को समय पर समस्त आवासों को पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। पीएमएवाय अंतर्गत सेल्फ सर्वे अंतर्गत शेष लक्ष्यों जिसमें जनपद मनेंद्रगढ़ 178 खड़गवां 51 एवं भरतपुर के शेष 22 कार्यों को 2 दिवस में पूर्ण करने के लिए कहा गया। समीक्षा बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने वाले बिहारपुर सचिव परशुराम एवं तकनीकी सहायक नरेंद्र कवर को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने की कार्रवाई की गई। समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत सीईओ अजय सिंह राठौर, वैशाली सिंह, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तकनीकी सहायकों सहित ग्राम पंचायतों के सचिव उपस्थित रहे।

डोर टू डोर सर्वे करते हुए वंचित वर्ग का चिन्हांकन कर योजनाओं से लाभ प्रदान करें - श्रीमती चंदन

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर कलेक्टर कोरिया ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

धरती आबा अभियान की समय सीमा मे बढ़ोत्तरी, अब 15 जुलाई तक चलेगा अभियान

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के संयुक्त सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने इस बैठक में सभी विभागीय योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक में धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान की प्रगति , किसानों के लिए खाद बीज की उपलब्धता, खाद्यान्न वितरण, किसानों के पंजीयन सहित अन्य विषयों पर अद्यतन जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी कोरिया चंद्रशेखर परदेशी, जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुवेर्दी और अपर कलेक्टर डीडी मण्डावी सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए धरती आबा अभियान की समय-सीमा को ३० जून से बढ़ाकर आगामी १५ जुलाई तक किया गया है। इससे दूरदराज में रहने वाले आदिवासी समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ ले जाने मे और सहूलियत होगी। विभागीय अधिकारी अपने योजनाओं के लाभ से वंचित वर्ग को जोड़ने के लिए डोर टू डोर सर्वे अभियान आरंभ करें और जिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित हो रहे हैं वहां अपने मैदानी अमले को प्रत्येक परिवार तक पहुंचने के लिए निर्देशित करें। इससे हमें प्रत्येक योजना अंतर्गत हितग्राहियों के सेचुरेशन मोड तक आने में आसानी होगी। आनलाइन इंट्री कार्य को बेहद सावधानी पूर्वक पूर्ण कराए जाने के निर्देश देते हुए श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक किसान का एग्रीस्टेक में पंजीयन कराएं, खाद और बीज की उपलब्धता पर निरंतर निगरानी करने के निर्देश देते हुए उन्होने कहा कि परंपरागत धान की फसलों के अलावा दलहन और तिलहन की फसलों को प्रोत्साहित कर किसानों को इसके लिए तैयार करें।

जल संरक्षण अभियान में निरंतर संरचनाएं बनाने के निर्देश देते हुए श्रीमती चंदन ने कहा कि ग्राम पंचायतों में प्लांटेशन के साथ ही सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। आवारा पशुओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाए जाने के निर्देश देते हुए उन्होने कहा कि खेती का समय आ रहा है ऐसे में आवारा पशुओं की सही व्यवस्था कर उन्हे सड़कों पर आने से भी रोकना होगा। समय सीमा की बैठक में अन्य विभागीय आवेदन पत्रों के निराकरण की जानकारी लेते हुए जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुवेर्दी ने सभी को जल्द निराकरण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एसडीएम श्रीमती दीपिका नेताम, राकेश साहू सहित सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

Sports Live

पवन कल्याण की हरि हर वीर मल्लू की नई रिलीज तारीख का ऐलान, नया पोस्टर जारी

पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लु की रिलीज डेट को कई बार टालने के बाद अब इसकी नई तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जिसे जान फैंस खुशी से झूम उठेंगे। यह फिल्म अब बहुत जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आइए जानते हैं निमार्ताओं ने इस फिल्म के रिलीज की नई डेट क्या बताई है।

'हरि हर वीर मल्लुइ फिल्म के लिए अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है। पवन कल्याण अभिनीत यह फिल्म सिनेमाघरों में 24 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म के जारी हुए पोस्टर में बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं, जो युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। वहीं पवन कल्याण माथे पर तिलक और गले में गमछा डाले दिख रहे हैं।

जो रूट ने रचा इतिहास, राहुल द्रविड़ की बराबरी कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

लीड्स,24जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है. लीड्स के हेडिंग्ले में खेले जा रहे इस मैच चौथे दिन के खेल के समापन तक इंग्लैंड ने 6 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 21 रन बना लिए हैं. अब इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रनों की जरूरत है जबकि भारतीय क्रिकेट टीम को अगर ये मैच जीतना है तो उसे 10 विकेट चटकाने होंगे.

इस मैच में कई रिकॉर्ड्स टूटे और कई रिकॉर्ड्स बने हैं. अब इस कड़ी में एक और खिलाड़ी का नाम शामिल हो गया है जिसने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. ये खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान जो रूट हैं. रूट ने भारत के महान बल्लेबाज और पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है.

दरअसल, जो रूट टेस्ट क्रिकेट में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच लेने वाले संयुक्त रूप से पहले खिलाड़ी बन गए हैं. उन्होंने राहुल द्रविड़ के इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. अब जो रूट के नाम टेस्ट क्रिकेट में 154 मैचों की 293 पारियों में 210 कैच दर्ज हो गए हैं, जबकि द्रविड़ ने भी अपने टेस्ट

करियर में कुल 164 मैचों की 301 पारियों में 210 कैच लिए हैं.

टेस्ट क्रिकेट में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ियों में जो रूट (इंग्लैंड), राहुल द्रविड़ (भारत) के अलावा महेला जयवर्धने (श्रीलंका), जैक कैलिस (दक्षिण अफ्रीका) और स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया) का नाम भी दर्ज है. ये टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले दुनिया के शीर्ष पांच फील्डर हैं.

इस टेस्ट मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली पारी में 471 रन बनाए. भारत ने इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रनों पर आउट कर दिया और 6 रनों की बढ़त हासिल की. इसके बाद भारत ने दूसरी पारी में 364 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया. जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड 21 रन बना चुका है.

इस मैच में भारत के लिए पहली पारी में यशस्वी जायसवाल (101), शुभमन गिल (147), ऋषभ पंत (134) ने शतक लगाए, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 5, प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट चटकाए. पहली पारी में इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने 106 रनों की पारी खेली. भारत के लिए दूसरी पारी में केएल राहुल ने 137 और ऋषभ पंत ने 118 रनों की शतकीय पारी खेली. अब इस मुकाबले के पांचवें दिन इस मैच का नतीजा तय होगा.

पहला टेस्टः भारत ने अपनी दूसरी पारी में बनाए 364 रन, इंग्लैंड को मिला चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

लीड्स, 24 जून। लीड्स में खेले जा रहे सीरीज के पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ अपनी दूसरी पारी में सभी विकेट खोकर 364 रन बनाए। इसके साथ ही इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य मिला है। भारत की ओर से दूसरी पारी में ऋषभ पंत (118) और केएल राहुल (137) ने शतक लगाए। आइए भारत की पारी पर एक नजर डालते हैं। कल के स्कोर 90/2 से आगे खेलने उतरी भारतीय टीम को चौथे दिन शुभमन गिल के रूप में बड़ा झटका लग गया। भारतीय कप्तान अपनी दूसरी पारी में दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और 8 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी का अंत ब्रायडन कार्स ने किया था। वह 92 रन के टीम स्कोर पर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए थे। बता दें कि गिल ने पहली पारी के दौरान शतक जड़ा था। राहुल ने भारतीय पारी को स्थिरता देने का सफल प्रयास किया। इस बीच उन्होंने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। चौथे दिन के दूसरे सत्र के दौरान उन्होंने अपना शतक पूरा किया। मध्यक्रम में राहुल ने ऋषभ पंत के साथ मिलकर 195 रन की साझेदारी भी निभाई। यह राहुल के टेस्ट करियर का 9वां शतक है। इंग्लैंड के खिलाफ उनके बल्ले से निकलने वाली चौथी शतकीय पारी रही।

भारत को अपनी दूसरी पारी में 93 रन के कुल स्कोर पर कप्तान गिल (8) के रूप में तीसरा झटका लगा था। इसके बाद बल्लेबाजी पर उतरे पंत ने विपरीत परिस्थिति में संयम से बल्लेबाजी करते हुए 130 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। पंत अपनी पारी में 140 गेंदों में 15 चौके और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाकर आउट हुए। वह इंग्लैंड में दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बने हैं। पंत दोनों पारियों में शतक लगाने वाले 7वें भारतीय बने हैं। वह सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़, विजय हजारे, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हो गए हैं। गावस्कर ने 3 बार और द्रविड ने 2 बार यह कारनाम किया है।

इंग्लैंड की ओर से जोश टंग सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने 18 ओवर में 72 रन देते हुए 3 विकेट लिए। ब्रायडन कार्स ने भी 3 सफलताएं हासिल की। उन्होंने अपने 19 ओवर में 80 रन दिए। शोएब बशीर ने 22 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 90 रन देते हुए 2 विकेट चटकाए। क्रिस वोक्स और विपक्षी टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को भी 1-1 सफलता मिली।

एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाजों पर नजर

नईदिल्ली,24 जून। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शानदार शतक (118) जड़ा। उन्होंने पहली पारी में भी शतक (134) जमाया था। उनके इस टेस्ट में 252 रन हो गए हैं। वह किसी टेस्ट की दोनों पारियों में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज भी बन गए हैं। आइए एक टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं।

इस सूची में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एंडी फ्लावर पहले पायदान पर हैं। उन्होंने 2001 में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट में (142 और 199) 341 रन बनाए थे। उन्होंने साल 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ नागपुर टेस्ट में (55 और 232) 287 रन और दिल्ली टेस्ट में (183 और 70 रन) 253 रन बनाए थे। ऐसे में वह 3 बार एक टेस्ट में 250 से अधिक रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। इस सूची में दूसरे पायदान पर अब पंत पहुंच गए हैं। उन्होंने हेडिंग्ले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौके और 6 छक्कों की मदद से 134 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 140 गेंदों में 15 चौके और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बना दिए। उन्होंने इस टेस्ट में कुल 252 रन बनाए हैं। वह एक टेस्ट में 250 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर हैं।

इस सूची में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज डेनिस लिंडसे तीसरे नंबर पर है। उन्होंने 1966 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ जोहानसबर्ग टेस्ट में कुल 251 रन बनाए थे। उन्होंने पहली पारी में 101 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 69 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 227 गेंदों में 25 चौके और 5 छक्कों की मदद से 182 रन की पारी खेली थी।

छोटी खबरें

हेडिंग्ले टेस्टः इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने मैच में बनाई पकड़, ऐसा रहा चौथा दिन

लीड्स,24 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी स्थिति मजबूत की है। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में सभी विकेट खोकर 364 रन बनाए। जवाब में जीत के लिए मिले 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन के खेल की समाप्ति तक 21/0 का स्कोर बनाया है। इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रन की दरकार है। आइए चौथे दिन के खेल पर एक नजर डालते हैं। कल के स्कोर 90/2 से आगे खेलने उतरी भारतीय टीम को चौथे दिन शुभमन गिल के रूप में बड़ा झटका लग गया। भारतीय कप्तान गिल सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद केएल राहुल (137) और ऋषभ पंत (118) ने शतक लगाए और भारत ने अपनी दूसरी पारी में 96 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 364 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से इंग्लैंड की ओर से जोश टंग और ब्रायडन कार्स ने 3-3 विकेट लिए। राहुल ने बतौर सलामी बल्लेबाज भी कमाल किया है। क्रिकइंफो के अनुसार, राहुल इंग्लैंड में 3 टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने दिग्गज राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर, विजय मर्चेंट और रवि शास्त्री को पीछे छोड़ा है, जिन्होंने 2-2 शतक (बतौर सलामी बल्लेबाज) लगाए थे। राहुल ने 2018 में अपना पहला टेस्ट खेलने के बाद से इंग्लैंड में अपनी नौवीं टेस्ट पारी में यह उपलब्धि हासिल की। पंत इस शतक के साथ ही एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जड? वाले दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एंडी फ्लावर ने यह कारनामा किया था। उन्होंने साल 2001 में हरारे में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले गए टेस्ट की दोनों पारियों में क्रमशः 142 और 199* के स्कोर बनाए थे। इन दोनों के अलावा अन्य कोई विकेटकीपर ऐसा नहीं कर पाया है। पंत दोनों पारियों में शतक लगाने वाले 7वें भारतीय बने हैं। वह सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़, विजय हजारे, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हो गए हैं। गावस्कर ने 3 बार और द्रविड ने 2 बार यह कारनाम किया है। चौथे दिन के खेल की समाप्ति से कुछ समय पहले भारत की दूसरी पारी ऑलआउट हुई थी। ऐसे में इंग्लैंड ने स्टम्प्स तक अपनी दूसरी पारी में 6 ओवर में बल्लेबाजी की और बिना कोई विकेट खोए 21 रन बनाए। फिलहाल क्रीज पर बेन डकेट (9) और जैक क्रॉली (12*) बने हैं। भारत से जसप्रीत बुमराह ने 3 ओवर में 9 रन दिए। सिराज ने 2 ओवर में 9 रन और जडेजा ने 1 ओवर में 3 रन दिए।

बॉक्स ऑफिस पर धनुष की कुबेरा ने मचाया धमाल, पहले दिन खाते में आए 13 करोड़ रुपये

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता धनुष की फिल्म कुबेरा आखिरकार लंबे इंतजार के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की तरफ से बढि ?ा प्रतिक्रिया मिली। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक देते ही बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। अब कुबेरा की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो बेहद शानदार हैं।

बॉक्स ऑफिस का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, कुबेरा ने पहले दिन 13 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि, ये फिलहाल शुरूआती आंकड़े हैं, इसलिए आधिकारिक आंकड़े सामने आने के बाद उनमें मामूली बदलाव हो सकता है।

-------------------------- व्यापार/फिल्म --------------------------

ट्रंप ने की ईरान-इजराइल युद्ध विराम की घोषणा, भारतीय शेयर बाजार में तेजी

0-सेंसेक्स 637 अंक उछला

मुंबई,24 जून। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 637 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,534.61 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.83 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,179.90 पर खुला.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा के बाद मंगलवार को एशियाई बाजारों में तेजी का रुख रहा. साथ ही आज मध्य पूर्व में तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में 7 फीसदी की गिरावट आई, ओएमसी के शेयरों पर नजर निवेशकों की नजर रहेगी. कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 511 अंकों की गिरावट के साथ 81,896.79 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ 24,971.90 पर बंद हुआ. मध्य पूर्व क्षेत्र में जारी तनाव की चिंताओं के कारण सोमवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई.

कारोबार के दौरान निफ्टी पर ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि इंफोसिस, एलएंडटी, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

सेक्टोरल फ्रंट पर आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, बैंक में 0.5-1 फीसदी की गिरावट रही, जबकि मीडिया, मेटल, कैपिटल गुड्स में 0.5-3.5 फीसदी की तेजी रही. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स हरे निशान में कारोबार किए. बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.2 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 0.6 फीसदी बढ़ा.

अमेजन ने शुरू की घर पर लैब टेस्ट की सुविधा, 6 घंटे में मिल जाएगी रिपोर्ट

नईदिल्ली,24 जून। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने अमेजन डायग्नोस्टिक नाम से एक नई हेल्थ सेवा शुरू की है, जिसके तहत लोग बिना घर से निकले 800 से ज्यादा टेस्ट बुक कर सकते हैं। कंपनी दावा कर रही है कि 60 मिनट से कम समय में सैंपल लिया जाएगा और 6 घंटे से भी कम समय में डिजिटल रिपोर्ट भेज दी जाएगी। इस सुविधा के तहत मेडिकल प्रोफेशनल सीधे घर आकर सैंपल लेते हैं और सब कुछ ऐप से ट्रैक किया जा सकता है।

यह नई सेवा फिलहाल दिल्ली, गुडगांव, नोएडा, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू हुई है। अमेजन का कहना है कि यह सेवा 450 से ज्यादा पिन कोड को कवर करती है। यूजर्स अमेजन ऐप के जरिए टेस्ट बुक कर सकते हैं, टाइम स्लॉट चुन सकते हैं और रिपोर्ट ऑनलाइन पा सकते हैं। यह सेवा अमेजन की संपूर्ण स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म योजना का हिस्सा है, जिसमें पहले से फामेर्सी और ऑनलाइन क्लीनिक सेवाएं शामिल हैं।

अमेजन ने इस सुविधा के लिए बेंगलुरु की कंपनी ऑरेंज हेल्थ लैब्स से साझेदारी की है। यह कंपनी पहले से कई शहरों में घर पर टेस्ट की सुविधा देती रही है। अमेजन का कहना है कि वह स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ और विश्वसनीय बनाना चाहता है। अब मरीज क्लीनिक जाने या लंबी कतारों में लगने से बच सकेंगे। अगर यह सेवा सफल होती है, तो कंपनी जल्द ही इसे अन्य शहरों तक भी बढ़ा सकती है।

मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, ओएमसी शेयरों पर फोकस

नई दिल्ली,24 जून। मध्य पूर्व में तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बाद मंगलवार को तेल और गैस शेयरों में बिकवाली से कुछ राहत मिल सकती है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और ईरान के बीच संभावित युद्ध विराम की घोषणा की, जिससे उम्मीदें बढ़ गई हैं कि संघर्ष समाप्त हो जाएगा.

एशिया में शुरूआती कारोबार में अगस्त के लिए वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा 5.1 फीसदी तक गिरकर 65.02 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है. इसके साथ ही कीमतें 12 जून के स्तर से नीचे आ गई हैं, जिस दिन इजरायल ने ईरान पर हमला किया था.

यह खुलासा होने के बाद कि कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमले सुनियोजित थे और इसमें किसी भी प्रकार की मानवीय क्षति की खबर नहीं आई, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में रातोंरात 8 फीसदी की गिरावट आ गई.

पिछले महीने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी डाउनस्ट्रीम तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के शेयरों पर बिकवाली का दबाव रहा.

दूसरी ओर, ऑयल इंडिया और ओएनजीसी जैसी अपस्ट्रीम तेल कंपनियों के शेयरों में पिछले महीने भारी उछाल आया है और यह 10 फीसदी तक बढ़ गया है.

जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो तेल विपणन कंपनियों के शेयर अक्सर दबाव में आ जाते हैं, क्योंकि उनकी इनपुट लागत बढ़ जाती है, लेकिन मूल्य निर्धारण विनियमन या मांग संबंधी चिंताओं के कारण वे वृद्धि का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पाते हैं - जिससे उनके लाभ मार्जिन पर असर पड़ता है.

दूसरी ओर, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी तेल कंपनियों को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से लाभ होता है, क्योंकि वे उत्पादित प्रति बैरल पर अधिक कमाते हैं जबकि उनकी लागत काफी हद तक स्थिर रहती है. नतीजतन, निवेशक फर्मों से बेहतर आय की उम्मीद करते हैं, जिससे उनके शेयर की कीमतों में बढ़ोतरी होती है.

परमेश्वर लाल अवस्थी का निधन, कल होगा अंतिम संस्कार

रायपुर। अभिनेता प्रकाश अवस्थी के पिता श्री परमेश्वर लाल अवस्थी का मंगलवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार कल, 25 जून को महादेव घाट में किया जाएगा। अंतिम यात्रा उनके निज निवास पुरानी बस्ती थाने के पीछे से सुबह 10 बजे निकाली जायेगी। सिने बिरादरी के अलावा विभिन्न राजनीतिक,सामाजिक व व्यापारिक संगठनों ने श्री अवस्थी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि व्यक्त की है।

किसान, जवान और संविधान का अपमान करने वाले कांग्रेसी, फिर उनके नाम का इस्तेमाल कर रहे है: धरम लाल कौशिक

00 कांग्रेस के आगामी कार्यक्रम पर बोली भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कांग्रेस की प्रस्तावित किसान-जवान-संविधान जनसभा को कांग्रेस के मिथ्या प्रलाप की एक और सियासी कवायद बताते हुए कहा है कि कांग्रेस हमेशा ओछी राजनीति करके अपने झूठे नैरेटिव सैट कर लोगों को बरगलाने का काम करती रही है।

श्री कौशिक ने कहा कि किसानों की अनदेखी करने, जवानों का कदम-कदम पर मनोबल तोड? और अपने शासनकाल में बात-बात पर संविधान की हत्या तक का पाप करने वाली कांग्रेस आज फिर नया नाटक कर रही है।

कौशिक ने कहा कि किसान, जवान और संविधान के नाम से जनसभा कर रही कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए कि किसानों को कांग्रेस ने अपने शासनकाल में छला। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने दो साल का बोनस नहीं दिया, धान का पैसा चार-चार किश्तों में रुला-रुलाकर किसानों को दिया, बारदाने तक की कमी थी, ठीक से धान खरीदी तक नहीं कर रहे थे और सैकड़ों किसानों ने कांग्रेस के शासनकाल में आत्महत्या की। केंद्र में भी जब कांग्रेस की सरकार थी तो वह भी 55 सालों में किसानों के लिए कुछ नहीं कर पाई। श्री कौशिक ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को उचित समर्थन मूल्य दे रहे हैं, फसल बीमा योजना दे रहे हैं, किसान सम्मान निधि दे रहे हैं। इसी प्रकार प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि के द्वार खुले हैं। प्रदेश सरकार 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर हर किसान से 21 क्विंटल प्रति एक-ड़ के हिसाब से धान खरीद रही है और धान की राशि एकमुश्त किसानों के खाते में जमा हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हर कदम पर देश और प्रदेश में जवानों का मनोबल हमेशा कम करने का काम किया है। प्रदेश में नक्सलबाद का खात्मा हो रहा है, जवान लड़ रहे हैं तो नक्सलवाद के समर्थन में बयानबाजी करके कांग्रेस एक तरफ नक्सलियों से अपना भाईचारा निभा रही है, वहीं दूसरी ओर जवानों का मनोबल गिराने का काम कर रही है। इससे अधिक विडम्बना और क्या हो सकती है कि देश में सीमाओं की सुरक्षा और देश के स्वाभिमान के लिए जो जवान लड़ते हैं, कांग्रेस के लोग उनके प्रति स्तरहीन टिप्पणियाँ करके अपने अमर्यादित भाषायी संस्कार का प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री कौशिक ने कहा कि पहले हुई सर्जिकल और एयर स्ट्राइक को लेकर कांग्रेस ने सबूत मांगकर अपने ओछे राजनीतिक नजरिए का परिचय दिया और अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलकर भारतीय सेना के शौर्य पर कांग्रेस सवाल उठा रही है।

न्यूज गैलरी

होटल टाइम स्क्वेयर के मालिक सहित 6 रसूखदार व्यापारी गिरफ्तार, 5 लाख 16 हजार भी जब्त

बिलासपुर। विनोबा नगर स्थित होटल टाइम स्क्वेयर के एक बंद कमरे में रसूखदार व्यापारियों के द्वारा जुआ पार्टी खेलने की सूचना मिलने पर तारबाहर थाना पुलिस और एसीसीयू टीम ने होटल टाइम स्क्वेयर के मालिक नरेश गुप्ता सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया। जिनके पास से 52 पत्ती ताश और 5 लाख 16 हजार रुपये भी जब्त किए। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि होटल टाइम स्क्वेयर के टॉप फ्लोर के कमरे में यह जुआ महफिल सजा था जहां खुद होटल मालिक नरेश गुप्ता भी उनके साथ जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने वहां दबिश देकर सतीश गुप्ता निवासी बंगाली पार्क, श्रवण श्रीवास्तव निवासी गोल बाजार, सुरेश कुमार निवासी सिविल लाइन, नरेश गुप्ता होटल मालिक निवासी विनोबा नगर, अमित सिंह निवासी बिल्हा और शांतनु खंडेलवाल निवासी गोंडपारा को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों पर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 5 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

29वीं एशियन यूथ टेबल टेनिस प्रतियोगिता- ताशकंद में विनय बैसवाड़े निर्णायक के रूप में चयनित

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तकनीकी समिति के सदस्य एवं अन्तर्राष्ट्रीय अंपायर श्री विनय बैसवाड़े का चयन 26 जून से 2 जुलाई 2025 तक ताशकंद में आयोजित 29वीं एशियन यूथ टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 हेतु किया गया है। इसके पूर्व भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में टेकनीकल ऑफिशियल के रुप में भाग ले चुके हैं। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष श्री विनय बैसवाड़े, अंतरराष्ट्रीय अंपायर एवं खिलाड़ी हैं तथा भारतीय जीवन बीमा निगम, मण्डल कार्यालय, रायपुर में कार्यरत है। इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष श्री शरद शुक्ला, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सचिव श्री सार्थक शुक्ला, कोषाध्यक्ष श्री सौरभ शुक्ला एवं समस्त पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाई दी एवं शुभकामनाए दी । उपरोक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सह सचिव श्री प्रेमराज जाचक ने दी।

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी हत्याकांड का खुलासा, मकान की डील बना मौत की वजह

00 आरोपित पति-पत्नी को दिल्ली से रायपुर ला रही है पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर के इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में ट्रंक में मिली युवक की लाश के मामले में पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। मृतक की पहचान किशोर पैंकरा निवासी रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में वकील अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी को दिल्ली से हिरासत में लिया है। दोनों को आज शाम दिल्ली से रायपुर लाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, हत्या की वजह पैसों का लेनदेन और मकान की खरीद-फरोख्त को लेकर हुआ विवाद था।

किशोर पैंकरा अपना मकान 30 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया था। बाद में आरोपी वकील अंकित उपाध्याय उसी मकान को 50 लाख रुपये में बेच दिया। लेकिन किशोर को इसकी जानकारी नहीं दी। जब मृतक किशोर को इसकी भनक लगी, तो उसने सौदे से हिस्सेदारी मांगते हुए 10 लाख रुपये और मांगे। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि वकील अंकित उपाध्याय ने पत्नी शिवानी और दो अन्य साथियों के साथ मिलकर किशोर की हत्या कर दी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में सीआईएसएफ और दिल्ली पुलिस की मदद से रायपुर पुलिस ने अंकित और उसकी पत्नी को पकड़ा। वहीं दो अन्य सहयोगियों को रायपुर पुलिस ने पहले ही हिरासत में ले लिया था।पुलिस का कहना है कि वकील अंकित उपाध्याय इस हत्या की साजिश का मास्टरमाइंड है। हत्या की वारदात बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच जारी है।

केन्द्रीय मंत्री जुएल ओराम आज आएंगे छग, आपातकाल की 50वीं बरसी पर आहूत संगोष्ठी को करेंगे सम्बोधित

रायपुर। केन्द्रीय जनजाति मामले मंत्री जुएल ओराम कल 25 जून को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। श्री ओराम यहाँ प्रेस कॉन्फ्रेंस लेने के बाद आपातकाल की 50वीं बरसी पर आहूत संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री और कार्यक्रम संयोजक रामजी भारती ने यह जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भारती ने बताया कि केंद्रीय मंत्री श्री ओराम 25 जून की सुबह राजधानी पहुँचने के बाद सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में सुबह 11.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करेंगे। श्री ओराम इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से आपातकाल की बरसी पर होने वाली संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत करेंगे। संगोष्ठी में

कार्यक्रम सह संयोजक सच्चिदानंद उपासने प्रास्ताविक भाषण देंगे। इंदिरा गांधी वि.वि. के कुलपति गिरीशचंद्र पटेल, महात्मा गांधी वि.वि. के कुलपति डॉ. रवि सक्सेना और राजनांदगाँव के भाजपा सांसद संतोष पाण्डेय भी अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया जाएगा। इसके पश्चात श्री ओराम वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

वक्फ संपत्तियों का लंबे समय से किराया नहीं देने वाले 42 किराएदारों पर हुई कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने बिलासपुर के चांटापारा इलाके के 42 किराएदारों पर वक्फ संपत्तियों का लंबे समय से किराया नहीं देने पर कार्रवाई की। इन सभी को अब सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से किराया देना होगा और पुराना किराया चार किस्तों में पटाने के निर्देश दिए गए हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने सभी किराएदारों को बुलाकर नया किराया दर और एग्रीमेंट करवाया। डा. राज ने कहा कि नया वक्फ बिल मुसलमान की तरक्की का बिल है। अब गरीब मुसलमान की तरक्की होगी पहले बिलासपुर में किराया 23000 महीने की आमदनी थी। आज इस निर्णय के बाद 5 लाख 40 हजार हो जाएगी।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से श्रवण दोष पीड़ित बुंदा लकड़ा को मिला श्रवण यंत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्थापित बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और आवश्यक सहायताएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर सक्रिय है। इसी क्रम में जशपुर जिले के पत्थलगांव तहसील अंतर्गत ग्राम पाकरगांव निवासी श्रवण बाधित श्रीमती बुंदा लकड़ा को श्रवण यंत्र प्रदान कर राहत पहुंचाई गई। श्रीमती लकड़ा ने कैंप कार्यालय में आवेदन देकर अपनी समस्या साझा की थी। उन्होंने बताया कि सुनने में असमर्थता के कारण उन्हें दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनके आवेदन को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई और संबंधित टीम ने उनके गांव पहुंचकर उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया। श्रवण यंत्र मिलने पर श्रीमती बुंदा लकड़ा ने अत्यंत खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग उनके लिए एक

नई जिंदगी की शुरूआत जैसा है। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय आम जनता के जीवन को सुगम और सम्मानजनक बनाने की दिशा में संवेदनशीलता व समर्पण के साथ कार्य कर रहा है, जो जनसेवा की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है।

काशी के कोतवाल श्री काल भैरव जी के दरबार में मुख्यमंत्री साय ने की पूजा-अर्चना

रायपुर। देवों के अधिदेव भगवान शंकर की पावन नगरी काशी में स्थित 'काशी के कोतवालइ श्री काल भैरव जी महाराज के दिव्य मंदिर में आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और देश के कल्याण हेतु प्रार्थना की।

इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा काल भैरव की विधिवत आराधना की और संपूर्ण राष्ट्र के लिए मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि बाबा भैरवनाथ की कृपा समस्त देशवासियों पर निरंतर बनी रहे, यही मेरी प्रार्थना है। उन्होंने देश के नागरिकों के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण के प्रकाश के निरंतर प्रवाह की कामना भी की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य की शांति, विकास और जनकल्याण की दिशा में अग्रसर यात्रा के लिए बाबा काल भैरव जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ईश्वर की कृपा से प्रदेश और देश में सुशासन और समृद्धि का मार्ग और अधिक सुदृढ़ होगा।

11 फर्जी सिम कार्ड विक्रेता, पीओएस एजेंट व डिस्ट्रीब्यूटर गिरफ्तार

रायपुर। ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत साइबर सेल ने 11 फर्जी सिम कार्ड विक्रेता, पीओएस एजेंट व डिस्ट्रीब्यूटर को गिरफ्तार किया जिनमें एक-एक राजस्थान व मध्यप्रदेश और 9 आरोपी छत्तीसगढ़ के हैं। इनके द्वारा बेचे गए सिम यूनाइटेड अरब अमीरात, श्रीलंका, नेपाल, ग्यांमार में इस्तेमाल होने संबंधी साक्ष्य मिले हैं। साइबर अपराध में संलिप्त अब तक 7000 से अधिक सिम कार्ड और 590 मोबाइल की पहचान हुई है, सभी को डिएक्टिवेट करने की प्रक्रिया की गई है।

ग्यूल अकाउंट से संबंधित प्रकरण में थाना सिविल लाइन रायपुर में दर्ज धारा- 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3 (5) की जांच के दौरान इन्हें गिरफ्तार किया गया। इस जांच में संलिप्त ग्यूल बैंक अकाउंट में पंजीकृत मोबाइल नंबर की जानकारी

संबंधित सिम कंपनी से प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर अपराध में संलिप्त 11 को पकड़ा गया। पूछताछ में इन आरोपियों ने बताया कि नया सिम लेने/सिम पोर्ट कराने वाले ग्राहकों का डबल थंब स्कैन /आई ब्लिंक कर ई केवाईसी के माध्यम से सिम चालू करते थे। तथा जिस कस्टमर के पास आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी होती थी उसका विवरण स्वयं ही वेरीफाई कर ही केवाईसी के माध्यम से अतिरिक्त सिम चालू करते थे। इन फर्जी सिम को ग्यूल अकाउंट के ब्रोकर/संवर्धक /संचालकों को बेचते थे जिन्हें पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपियों में नितेश कुमार शर्मा 26 वागीर बहमोरी, तहसील नागौती, करौली, राजस्थान, पीयूष पांडे 28 वार्ड नंबर 9, कोनिया, सतना, मध्यप्रदेश, हरविंदर भाटिया उम्र 37 वार्ड नंबर 25, संतरा बाड़ी, दुर्ग, दिलावर सिंह संधू 23 हाउसिंह बोर्ड आई. ई. भिलाई, दुर्ग, उदय राम यदु 31 श्री राम नगर, न्यू चंगोराभाठा, डी.डी. नगर, रायपुर, आशीष कलवानी 30 खोखोपारा, पुरानी बस्ती, रायपुर, चंदन कुमार सिंह 25 रामेश्वर नगर, भनपुरी, रायपुर, सचिन गिरी 21 आदर्श नगर, झंडा चौक, मोवा, रायपुर, वैभव साहू 25 सुभाष नगर, कसारीडीह, दुर्ग, सूरज मारकण्डे 20 मिनीमाता वार्ड कचना, कुरूद, धमतरी और अतहर नवाज 38 वर्ष ओल्ड धमतरी रोड, मठपुरैना रायपुर शामिल है।

पायलट ने बैज और डॉ महंत की तारीफों के बांधे पुल, कहा- कोई लाख कोशिश कर ले, कांग्रेस में मतभेद नहीं

00 7 जुलाई को साइंस कॉलेज मैदान में होगी किसान, जवान, संविधान सभा

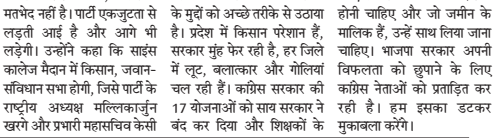

रायपुर। प्रदेश अध्यक्ष दीपक वैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत और पूर्व सीएम भूपेश बघेल के साथ मीडिया से रूबरू होते हुए प्रभारी सचिन पायलट ने मंगलवार को बैज और डॉ महंत की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि कोई लाख कोशिश कर ले, कांग्रेस में मतभेद नहीं है। पार्टी एकजुटता से लड़ती आई है और आगे भी लड़ेगी। उन्होंने कहा कि साइंस कालेज मैदान में किसान, जवान-संविधान सभा होगी, जिसे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल संबोधित करेंगे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए पायलट ने प्रदेश अध्यक्ष बैज को धन्यवाद दिया कि उन्होंने पदयात्रा के माध्यम से जनता की आवाज को सडकों पर लाया है। डॉ महंत ने विधानसभा में पार्टी के विधायकों के साथ मिलकर जनता के मुद्दों को अच्छे तरीके से उठाया है। प्रदेश में किसान परेशान हैं, सरकार मुंह फेर रही है, हर जिले में लूट, बलात्कार और गोलियां चल रही हैं। कांग्रेस सरकार की 17 योजनाओं को साय सरकार ने बंद कर दिया और शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में निवेश और उद्योग के पक्ष में है लेकिन यहां की सरकार चंद लोगों के हाथों में प्राकृतिक संसाधनों को सौंपने का काम कर रही है। पायलट ने कहा कि उद्योगों के लिए प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता होनी चाहिए और जो जमीन के मालिक हैं, उन्हें साथ लिया जाना चाहिए। भाजपा सरकार अपनी विफलता को छुपाने के लिए कांग्रेस नेताओं को प्रताड़ित कर रही है। हम इसका डटकर मुकाबला करेंगे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com